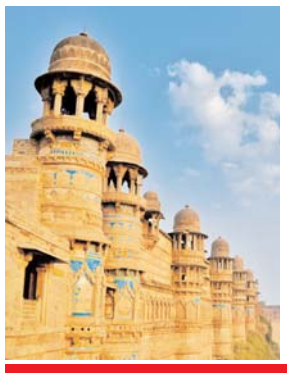

MPHIN/2021/83938

दैनिक पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 4 : अंकः18 | ग्वालियर, 26 नवम्बर रविवार 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

एक नजर

राजस्थान के चुनावी मैदान में इस बार ताल ठोक रहे 6 राजघरानों के सदस्य,

आजादी के बाद राजघरानों की शक्तियां खत्म होने के बाद भी राजस्थान के राजघरानों ने अपना अस्तित्व बचाए रखा. भले ही उनकी ताकत खत्म हो गई है, लेकिन उनके रुतबे में कोई कमी नहीं आई. लोकतांत्रिक युग में धीरे-धीरे राजघरानों से राजा और रानियां राजनीति में आने लगीं.राजपूत संगठन प्रताप फाउंडेशन के सदस्य, महावीर सिंह सरवड़ी के अनुसार, ÷राज्य के लगभग 18 शाही परिवारों के सदस्यों का प्रमुख राजनीतिक दलों के साथ जुड़ाव रहा है और ये लोग अपनी उपस्थिति दर्ज कराते रहे हैं. इसकी वजह है लोग अभी भी शाही परिवार के सदस्यों को उच्च सम्मान की दृष्टि से देखते हैं और मानते हैं कि केवल राजा और रानियां ही हैं जो उनकी मांगों को सुनेंगे और उन्हें पूरा करने के लिए सर्वोत्तम प्रयास करेंगे. यही छवि हमेशा शाही परिवारों की सफलता की कुंजी रही है.÷

शाही परिवार के 5 उम्मीदवारों को बीजेपी ने दिया मौका–बहादुर, राठौड़ और गायत्री देवी ने आजादी के बाद राजनीतिक दायरे में शाही कुलों के लिए रास्ता बनाया. उनके वंशज जैसे कि वसुंधरा राजे, सिद्धि कुमारी, दीया कुमारी और कई अन्य, विरासत को आगे बढ़ाते रहे हैं. अगर इस चुनाव की बात करें तो शाही परिवारों के करीब छह सदस्य चुनावी मैदान में हैं. इनमें से पांच को भाजपा ने और एक को कांग्रेस ने मौका दिया है. नीचे हम उन शाही परिवार के सदस्यों के बारे में बता रहे हैं.

1. वसुंधरा राजे : धौलपुर राजपरिवार की सदस्य– वसुंधरा राजे राजस्थान की दो बार मुख्यमंत्री रह चुकी हैं. वह ग्वालियर के सिंधिया शाही परिवार से हैं और उनका विवाह राजस्थान के धौलपुर शाही परिवार के राजा हेमंत सिंह से हुआ था. राजे की मां विजया राजे सिंधिया भी जनसंघ की संस्थापक सदस्य थीं, जो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मूल पार्टी थी. राजे ने अपना पहला विधानसभा चुनाव 1985 में धौलपुर से लड़ा, जिसमें उन्होंने कांग्रेस के बनवारी लाल को हराकर 30त्न वोटों से जीत हासिल की, लेकिन 1993 में जब पार्टी ने उन्हें दोबारा इस सीट से मैदान में उतारा तो वह उनसे हार गईं. 2003 के बाद से, झालावाड़ के झालरापाटन से मैदान में उतरने के बाद राजे भाजपा की अपराजेय प्रतियोगी बन गईं. 2003 से राजे इस सीट से चार बार विधायक रहीं. राजे 1998 में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के मंत्रिमंडल में केंद्रीय मंत्री भी रह चुकी हैं.

2. दीया कुमारी: जयपुर राजघराने की राजकुमारी– गायत्री देवी के दत्तक पुत्र सवाई भवानी सिंह की बेटी दीया कुमारी ने 10 साल पहले राजनीति में कदम रखा और 2013 में सवाई माधोपुर से विधायक रहीं. 2019 में राजसमंद से सांसद चुनी गईं. दीया कुमारी जयपुर की विद्याधर नगर की एक प्रमुख सीट से पहली बार चुनावी लड़ाई का सामना करेंगी. वह भाजपा के उन सात सांसदों में से एक हैं जिन्हें बीजेपी ने राजस्थान में विधायक चुनाव के लिए उतारा है. विद्याधर नगर निर्वाचन क्षेत्र 2008 के परिसीमन के बाद अस्तित्व में आया और तब से भाजपा का गढ़ रहा है. पूर्व मुख्यमंत्री भैरों सिंह शेखावत के दामाद नरपत सिंह राजवी ने तीनों चुनावों में इस सीट पर जीत दर्ज की6. विश्वेन्द्र सिंह- भरतपुर राजघराने के राजा

भरतपुर के अंतिम शासक बृजेंद्र सिंह के बेटे विश्वेंद्र 1999 और 2004 में तीन बार भाजपा सांसद और दो बार केंद्रीय मंत्री रहे. भरतपुर के राजा, जिन्होंने अपना पहला विधानसभा चुनाव 1998 में भाजपा के टिकट से कुम्हेर सीट से लड़ा था. वह कांग्रेस के हरि सिंह से केवल 945 वोटों से हार गए, 2008 में अपने भाजपा सहयोगी दिगंबर सिंह के साथ संघर्ष के कारण वह कांग्रेस में शामिल हो गए. 2008 के राज्य विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने विश्वेंद्र को फिर से नई डीग-कुम्हेर सीट से मैदान में उतारा, जो 2008 के परिसीमन के बाद अस्तित्व में आई थी. हालांकि वह ये चुनाव हार गए, लेकिन इसके बाद उन्होंने 2013 और 2018 में लगातार जीत दर्ज की. इसके बाद वह गहलोत सरकार में नागरिक उड्डयन मंत्री भी बने.

कोच्चि यूनिवर्सिटी के सॉन्ग फेस्टिवल में मची भगदड़, 4 लोगों की मौत, कई घायल

कोच्चि यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी में चल रहे टेक फेस्ट के दौरान भगदड़ मचने से चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 46 लोगों के घायल हो गए. घटना उस समय हुई, जब टेक फेस्ट में गीत समारोह चल रहा था.मृतकों में दो लड़कियां और दो लड़के शामिल हैं. मृतक की पहचान अभी तक सामने नहीं आई है. गौरतलब है कि यूनिवर्सिटी के इंजीनियरिंग कॉलेज में 2000 से अधिक छात्र पढ़ते हैं.यूनिवर्सिटी में तीन दिवसीय टेक फेस्ट का आयोजन किया गया था और आज इसका आखिरी दिन था. यह हादसा तब हुआ जब गायिका निकिता गांधी/ध्वनि भानुशाली परफॉर्म कर रही थीं

पीएम मोदी के इस मास्टर स्ट्रोक से खिसक सकता है कांग्रेस का गुर्जर वोट बैंक, क्या सचिन पायलट पार लगा पाएंगे नैया?

राजस्थान में आज (25 नवंबर) को मतदान प्रक्रिया जारी है. यहां शुरू से ही कांग्रेस और बीजेपी के बीच कड़ी टक्कर की बात कही जा रही है, लेकिन चुनाव प्रचार के आखिरी चरण में यह मुकाबला और जोरदार हो गया. दरअसल, पीएम नरेंद्र मोदी की ओर से राजेश पायलट का नाम लेना और कांग्रेस की ओर से उन्हें अपमानित करने के आरोप के बाद इस राज्य में गुर्जर वोटों की लड़ाई और तेज हो गई थी.बता दें कि 6-7 प्रतिशत की आबादी वाले गुर्जर पूर्वी राजस्थान की 40 सीटों के नतीजों को प्रभावित कर सकते हैं. माना जाता है कि गुर्जरों ने पारंपरिक रूप से लगातार भारतीय जनता पार्टी का ही समर्थन किया है, लेकिन 2018 में सचिन पायलट के मुख्यमंत्री बनने की संभावना के बीच अधिकतर गुर्जर वोट कांग्रेस के पक्ष में गए. उन्हें कांग्रेस का समर्थन करने के लिए प्रेरित किया. कांग्रेस-राष्ट्रीय लोक दल ने संयुक्त रूप से 100 सीटें जीतीं, जिनमें से 42 सीटें पूर्वी राजस्थान से थीं.

इन सीटों पर गुर्जरों का दबदबा–गुर्जर वोटर राज्य की जिन 40 सीटों के नतीजों को प्रभावित करने की क्षमता रखता है, उनमें मुख्य रूप से अजमेर, टोंक, करौली, अलवर, धौलपुर, दौसा और सवाई माधोपुर शामिल हैं. 2008 और 2013 में इन सीटों पर बीजेपी आगे थी, 2018 में कांग्रेस ने बढ़त हासिल कर ली. गुर्जर प्रभाव वाली 40 सीटों में से

आठ शहरी इलाकों में और 32 ग्रामीण इलाकों में आती हैं. 2018 में कांग्रेस ने 12 गुर्जर उम्मीदवारों को टिकट दिया था, जबकि भाजपा ने नौ गुर्जरों को मौका दिया. कांग्रेस के 12 में से सात गुर्जर उम्मीदवारों ने जीत हासिल की, जबकि भाजपा का कोई भी गुर्जर उम्मीदवार जीत नहीं सका. इस चुनाव में कांग्रेस ने 10 गुर्जर उम्मीदवारों को टिकट दिया है, जबकि बीजेपी ने 11 गुर्जर उम्मीदवारों को टिकट दिया है.

गुर्जर और मीणा के बीच प्रतिद्वंद्विता से उलझा मामला– राजस्थान में मीणा समुदाय और गुर्जरों के बीच प्रतिद्वंद्विता है. ज्यादातर गुर्जर जहां बीजेपी के साथ जाते हैं, तो मीणा समुदाय कांग्रेस के साथ आते हैं. दोनों समुदायों के बीच 2006 से मनमुटाव और बढ़ा था, तब गुर्जर ने ओबीसी दर्जे की मांग की थी. राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के कारण दोनों समुदाय एक-दूसरे के विरोधी को वोट देते हैं. जिन 40 सीटों पर गुर्जरों का दबदबा है, उन पर मीणा वोटर्स की भी अच्छी खासी आबादी है. ऐसे में गुर्जर वोट के खिसकने पर मीणा वोट काम आ सकता है.

बीजेपी ने इस तरह गुर्जरों को लुभाने की कोशिश की–चुनाव से पहले बीजेपी ने अपने प्रचार के दौरान गुर्जर वोटरों को साधने की पूरी कोशिश की. वसुंधरा राजे अक्सर रैलियों में कहती रहीं कि वह गुर्जरों की समधन हैं. उनकी बहू इसी समुदाय से है. यही नहीं, 22 नवंबर को एक रैली को संबोधित करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर सचिन पायलट और उनके पिता को अपमानित करने का भी आरोप लगाकर गुर्जर वोट को बीजेपी की तरफ खींचने की कोशिश की. प्रधानमंत्री ने कांग्रेस को गुर्जर विरोधी तक कहा.

सचिन पायलट ने संभाला मोर्चा–पीएम के हमले के बाद सचिन पायलट ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि, पार्टी और जनता के अलावा किसी को उनकी चिंता करने की जरूरत नहीं है. उनके पिता जीवन भर एक समर्पित कांग्रेसी रहे. पीएम के बयान तथ्य से बहुत दूर हैं, उनका उद्देश्य केवल लोगों का ध्यान भटकाना है. वहीं सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि, बीजेपी शासन के दौरान फरवरी 2008 की झड़पों में गुर्जरों पर 22 बार गोलियां चलाई गईं, जिसमें 72 लोग मारे गए थे.

26/11 हमले की 15वीं बरसी, चीन की मदद से पाकिस्तान में मौज कर रहे हैं मुंबई हमले के मास्टरमाइंड

26 नवंबर 2008 मुंबई में भीषण आतंकी हमले ने पूरी दुनिया को हिला दिया था. आतंकियों ने बर्बर तरीके से होटल ताज और अन्य जगहों पर हमले किए थे. चारों तरफ लाशों का अंबार लगा था, जिसे देख पूरी दुनिया हैरान थी. पाकिस्तान से आए 10 आतंकियों ने चार दिनों तक जो खून खराबा मचाया उसे पूरी दुनिया ने देखा. 164 लोगों की मौत हो गई थी जबकि 300 से अधिक लोग घायल हुए थे. इस वारदात के 15 साल बीत जाने के बाद भी आतंकियों को सजा नहीं हो पाई है. इसकी सबसे बड़ी वजह चीन और पाकिस्तान की दोस्ती है.भारत के अलावा अमेरिका, ब्रिटेन और अन्य पश्चिमी देशों के लगातार प्रयास के बावजूद चीन ने बार-बार वीटो लगाकर संयुक्त राष्ट्र की सूची में आतंकी वारदात को अंजाम देने वाले लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों को शामिल होने से रोका है. इतना ही नहीं पाकिस्तान में चीन की मदद से यह आतंकी संगठन लगातार फल फूल रहा है.

शी जिनपिंग के राष्ट्रपति बनने के बाद आतंकी संगठनों को समर्थन–मार्च 2013 में शी जिनपिंग के राष्ट्रपति बनने के बाद से, चीन से लश्कर-ए-तैयबा और बहावलपुर स्थित जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) से जुड़े पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों को लगातार संयुक्त राष्ट्र में समर्थन मिल रहा है. 26/11 के हमले के मास्टरमाइंड लश्कर-ए-तैयबा के मुखिया हाफिज सईद, उसके बहनोई अब्दुल रहमान मक्की, ऑपरेशनल प्लानर जकी उर रहमान लखवी और फाइनेंसर आरिफ कासमानी सहित कई अन्य आतंकी आज तक सजा से बचते रहे हैं. साजिद मीर, 10 आतंकवादियों का प्रमुख हैंडलर था जिसने हमले के दौरान नरीमन पॉइंट पर चबाड हाउस में दो आतंकी हमले की निगरानी की थी.

अमेरिका के प्रस्ताव को चीन ने रोका–संयुक्त राष्ट्र के आतंकवादियों की सूची में साजिद मीर उर्फ वासी भाई को नामित करने का प्रस्ताव अमेरिका द्वारा 6 सितंबर, 2022 को लाया गया था. चीन ने 15 सितंबर को इस पर रोक लगा दी. इसी तरह से 26/11 हमले के फाइनेंसर अब्दुल रहमान मक्की को नामित करने का प्रस्ताव भारत द्वारा 1 जून, 2022 को अमेरिका की मजद से लाया गया था. तब भी चीन ने 16 जून, 2022 को प्रस्ताव को रोक दिया. अमेरिका ने तब मामले को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में ले जाने की चेतावनी दी जिसके बाद चीन ने मजबूरी में 16 जनवरी, 2023 को रोक हटाई. इसके बाद मक्की, जिसके सिर पर 2 मिलियन डॉलर का इनाम है, को सूची में डाल दिया गया.

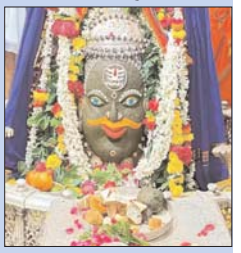

भगवान महाकाल विष्णु को सौंपेंगे कार्यभार, रात 11 बजे निकाली जाएगी महाकाल की सवारी

चार महीने बाद अपनी चिरनिंद्रा से जागे भगवान विष्णु को भगवान महाकाल वापस सृष्टि का कार्यभार सौंपेंगे. यह अद्भुत नजारा आज रात 11 बजे देखने को मिलेगा. रात 11 बजे उज्जैन स्थित भगवान महाकाल की सवारी निकाली जाएगी. 11 बजे शुरू होने वाली यह सवारी रात 12 बजे गोपाल मंदिर पहुंचेगी. यहां भगवान महाकाल सृष्टि का कार्यभार भगवान विष्णु को सौंपेंगे. यह परंपरा

दोनों देवताओं की माला बदलकर निभाई जाएगी, इसे हरि-हर मिलन कहते हैं. पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, देवशयनी एकादशी से देवउठनी एकादशी तक जगत का पालन करने वाले भगवान विष्णु पाताल लोक में राजा बलि के यहां विश्राम करने जाते हैं, इसलिए चार महीने तक संपूर्ण सृष्टि का भार भगवान शिव के पास होता है.बता दें प्रतिवर्ष उज्जैन में हरि-हर मिलन का यह अद्भुत नजारा देखने को मिलता है. महाकालेश्वर मंदिर के सभा मंडप से रात 11 बजे निकलने वाली बाबा महाकाल की सवारी महाकाल चौराहा, गुदरी बाजार, पटनी बाजार होते हुए गोपाल मंदिर पहुंचेगी. सवारी में ढोल-नगाड़ों के साथ आतिशबाजी की जाएगी.

आप सांसद संजय सिंह की जमानत याचिका पर 28 नवंबर को होगी सुनवाई, 4 दिसंबर तक बढ़ी कस्टडी

दिल्ली की एक अदालत कथित शराब घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में गिरफ्तार आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह की जमानत याचिका पर 28 नवंबर को सुनवाई कर सकती है. इस मामले पर शनिवार (25 नवंबर) को सुनवाई होनी थी, लेकिन जज के अवकाश के कारण सुनवाई स्थगित कर दी गई.इससे पहले आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने शुक्रवार (24 नवंबर) को जमानत के लिए

अदालत का रुख किया था. उनके वकील इरशादन ने कहा था कि संजय सिंह के जमानत की अर्जी राउज एवेन्यू अदालत की रजिस्ट्री में दायर की गई है और शनिवार को इस पर सुनवाई हो सकती है.ास्त की अवधि समाप्त होने पर उन्हें कोर्ट में पेश किया. ईडी के अनुरोध पर विशेष जज एमके नागपाल ने संजय सिंह की न्यायिक हिरासत चार दिसंबर तक बढ़ा दी थी. शराब व्यवसायों को फायदा पहुंचाने का आरोपप्रवर्तन निदेशालय (श्वष्ठ) ने 4 अक्टूबर को संजय सिंह को गिरफ्तार किया था. ईडी ने आरोप लगाया था कि संजय सिंह ने रद्द की जा चुकी

बृजभूषण सिंह के खिलाफ पॉक्सो मामले में दिल्ली पुलिस की क्लोजर रिपोर्ट पर 11 जनवरी को होगा फैसला

दिल्ली की एक अदालत भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख और बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ एक नाबालिग पहलवान की ओर से दायर यौन उत्पीड़न की शिकायत के मामले में दिल्ली पुलिस की क्लोजर रिपोर्ट को स्वीकार करना है या नहीं, इस पर 11 जनवरी को अपना आदेश सुनाएगी.अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश छवि कपूर शुक्रवार (24 नवंबर) को इस संबंध में आदेश सुनाने वाली थी, लेकिन उन्होंने यह कहते हुए मामले को स्थगित कर दिया

ऑस्ट्रेलिया में बर्बर हमले के बाद मौत से जंग लड़ रहा असम का छात्र कोमा में गया, परिवार के पास विदेश जाने के लिए पासपोर्ट भी नहीं

ऑस्ट्रेलिया की तस्मानिया यूनिवर्सिटी में मास्टर डिग्री की पढ़ाई कर रहा एक भारतीय छात्र हमले के बाद जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहा है. फिलहाल वह कोमा में चला गया है. न्यूज एजेंसी द्बहस् की रिपोर्ट के मुताबिक वह मूल रूप से भारत के असम का रहने वाला है. इस

महीने की शुरुआत में उसपर हमला हुआ था, जिसके बाद अब वह कोमा में चला गया है.सिडनी स्थित ब्रॉडकास्टर एसबीएस की रिपोर्ट के अनुसार, तस्मानिया में 5 नवंबर को सुबह लगभग 4=20 बजे हुए हमले के तुरंत बाद 20 वर्षीय छात्र को रॉयल होबार्ट अस्पताल ले जाया गया. अब उसका दाहिना फेफड़ा खराब हो गया है और उसे ब्रेन सर्जरी करानी पड़ी है. यह प्रक्रिया कई घंटों तक चली.

पुलिस ने किया नस्लीय हमले से इनकार –घटना के तुरंत बाद, स्थानीय पुलिस ने हमला करने वाले 25 वर्षीय बेंजामिन डॉज कोलिंग्स को हिरासत में ले लिया. पर हमले का आरोप केस दर्ज किया है जिसमें अधिकतम 21 साल की जेल की सजा का प्रावधान है.

राहुल गांधी बेरोजगार हैं, केटीआर का कांग्रेस तंज, प्रियंका गांधी पर भी साधा निशाना

भारत राष्ट्र समिति नेता केटी रामा राव ने शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के प्रोफेशनल करियर पर सवाल उठाए. उन्होंने दावा किया कि वह कभी भी किसी प्रवेश परीक्षा में शामिल नहीं हुए. तेलंगाना विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर तंज करते हुए केटीआर ने कहा कि राहुल 2014 में अपनी नौकरी खो देने के बाद से बेरोजगार हैं.केटीआर ने कहा कि राजनीति में आने से पहले उन्होंने खुद भी कई प्रवेश परीक्षाएं दी थीं और कई कंपनियों के लिए काम किया था, जबकि राहुल गांधी आज बेरोजगार हैं, क्योंकि उन्होंने 2014 में उनकी नौकरी खो दी थी.

क्या राहुल गांधी ने कभी प्रवेश परीक्षा दी–राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए केटीआर ने कहा, ÷उन्होंने और उनकी पार्टी दोनों ने 2014 में अपनी नौकरियां खो दीं. इसलिए आज उन्हें बेरोजगारी की याद आई. मैं

पूछना चाहता हूं कि क्या राहुल गांधी ने कभी कोई प्रवेश परीक्षा दी है? क्या उन्होंने प्राइवेट कंपनी में एक दिन भी नौकरी की है?÷

कांग्रेस ने पीवी नरसिम्हा को अपमानित किया–इस दौरान केटीआर ने कांग्रेस पर पूर्व (दिवंगत) प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव का अपमान करने का भी आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि प्रियंका गांधी को दिवंगत पीएम पीवी नरसिम्हा राव के साथ हुए अन्याय के बारे में कोई जानकारी नहीं है. वह ऐसे व्यक्ति हैं जिनका हम सभ आदर करते हैं. उन्होंने जीवन भर कांग्रेस पार्टी की सेवा की और पार्टी ने उन्हें अपमानित किया.उन्होंने आरोप लगाया कि सिटिंग प्राइम मिनिस्टर उन्हें 1996 में लोकसभा सभा का टिकट नहीं दिया गया था. केटीआर ने कहा, ÷मैं प्रियंका गांधी को यह भी याद दिला दूं कि उनके (राव) निधन के बाद ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ने उनके पार्थिव शरीर को 24 अकबर रोड स्थित पार्टी मुख्यालय पर लाने अनुमति तक नहीं दी थी.÷

माफी मांगे राहुल-प्रियंका–बीआरएस नेता ने आगे कहा कि यह दुखद है कि प्रियंका गांधी को उनके बारे जानकारी नहीं हैं. उन्होंने प्रियंका और राहुल गांधी दोनों से अपील की कि वे पूर्व प्रधानमंत्री के परिवार से माफी मांगें.

एनसीसी सब यूनिट द्वारा आज मनाया गया एनसीसी स्थापना दिवस

अंबाह -मध्य प्रदेश बटालियन एनसीसी भिंड के कमान अधिकारी कर्नल जगदीश राव से प्राप्त दिशा निर्देशों के अनुसार अंबाह सब यूनिट अंबाह द्वारा एनसीसी स्थापना दिवस अंबाह शहीद कैप्टन वीर नारायण सिंह तोमर पार्क में मनाया गया । कार्यक्रम में अंबाह महाविद्यालय से सीनियर डिवीजन एवं सीनियर विंग के कैडेट के साथ-साथ विभिन्न स्कूलों के कैडेट रैली के रूप में शहीद कैप्टन वीर नारायण पार्क में पहुंचे। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अरविंद कुमार माहौर, मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित हुए तथा उन्होंने शहीद वीर नारायण की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की साथ ही महाविद्यालय प्राचार्य प्रोफेसर विश्वास मेढेकर एवं महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. कमल भारद्वाज उपस्थित हुए एवं एमएलडी स्कूल के प्राचार्य ने भी पुष्पचक्र अर्पित किया। माननीय एसडीएम महोदय ने अपने उद्बोधन में एनसीसी को सेकंड लाइन ऑफ डिफेंस बताते हुए कहा के एनसीसी में कैडेट्स अपने चरित्र का निर्माण करते हुए एकता और अनुशासन का पाठ पढ़ते हुए देश के विकास में अपना बहुमूल्य योगदान दे सकते हैं तथा देश की तस्वीर को बदल सकते हैं उन्होंने कहा कि एनसीसी चरित्र का निर्माण करती है इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया तथा कैडेट्स को शुभकामनाएं दी। कैडेट्स इस देश के विकास में अपना बहुमूल्य योगदान देंगे। कार्यक्रम का संयोजन कैप्टन मनोज कुमार शर्मा ने किया कार्यक्रम का संचालन लेफ्टिनेंट मंजू तोमर ने किया इस अवसर पर महात्मा लोचन दास विद्यालय से एनसीसी अधिकारी सेकंड ऑफिसर राकेश पचौरी टेकचंद महाविद्यालय से सेकंड ऑफिसर आलोक सिंह तोमर उत्कृष्ट विद्यालय से थर्ड ऑफिसर सीमा कुशवाहा श्री हेमेंद्र जैन तथा 30 मध्य प्रदेश बटालियन से सूबेदार पुष्पराज सिंह हवलदार समर सिंह हवलदार उमेश सिंह उपस्थित रहे।

अशोक राजपुरोहित ने डाला वोट, युवा को संदेश लोकतंत्र करना है मजबूत तो करें मतदान

पुष्पांजली टुडे/नैनाराम चौधरी/खरोकडा/राजस्थान की राजनीति के लिए आज काफी बड़ा दिन है. आज लोकतंत्र का महापर्व यानी की राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए वोटिंग है, इस सिलसिल में बड़ी संख्या में प्रवासी मतदाता वोट देने के लिए पहुंच रहे हैं,युवा अशोक राजपुरोहित खरोकडा मुंबई से मत देने के लिए आए है उन्होने वोट डालकर युवा पीढ़ी को संदेश दिया, कहा- लोकतंत्र करना है मजबूत तो करें मतदान उन्होने कहा कि भारत विश्व का सबसे ब?ा लोकतांत्रिक देश है। यहाँ की संघीय सरकार प्रत्येक पाँच

वर्ष के अंतराल पर चुनाव के माध्यम से चुनी जाती है। देश के नागरिक इस चुनावी प्रक्रिया में सीधे तौर पर भाग लेते हैं। अशोक राजपुरोहित ने कहा कि भारतीय संविधान के अनुसार देश में नियमित, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव आयोजित करने का अधिकार निर्वाचन आयोग को प्राप्त है। चुनाव आयोजित करने एवं चुनाव के बाद के विवादों से संबंधित सभी विषयों को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 एवं लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के अंतर्गत सम्मिलित किया गया है। राजपुरोहित ने प्रवासीओं से भी अपील की थी कि वो गांव आकर लोकतंत्र के इस महापर्व में भाग ले।

नगर में सजा बाबा खाटू श्याम का दरबार,महाआरती के बाद हुआ विशाल भण्डारा

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह- नगर दबोह में कोंच रोड पर हारे के सहारे बाबा खाटू श्याम का जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ नगर की समाजसेवी संस्था श्री मुरली मनोहर सेवा मंडल व नगरवासियों के सहयोग कोंच रोड स्तिथ गल्ला मंडी ऑफिस के आगे मनाया गया।जिसमे बाबा श्याम के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में बाबा श्याम का मनमोहक श्रृंगार किया गया व उनके दरबार को बहुत ही सुंदर तरीके से सजाया गया।उसके बाद शाम 6ः00 बजे बाबा की महाआरती की गई।जिसमे बाबा को तरह तरह की मिठाइयों का भोग लगाया गया एवम जन्मोत्सव के चलते केक भी काटा गया व उसके बाद आयोजित भंडारे में हजारो श्रद्धालुओं को भण्डारा प्रसादी वितरण की गई।आपको बता दें कि श्री मुरली मनोहर सेवा मंडल के द्वारा यह इस महीने का दूसरा भण्डारा है जिसमे हजारो श्रद्धालुओं को भण्डारा वितरित किया गया।इससे पहले भी रतनग? पर आयोजित होने वाले लख्खी मेले में जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए भी दौज पर कोंच रोड पर नवा भण्डारा लगाया गया था।श्री मुरली मनोहर सेवा मंडल के द्वारा बाबा श्याम का यह जन्मोत्सव दूसरी बार मनाया गया।जिसमे नगर के सभी व्यापारी बन्धुओ व श्यामप्रेमीयो ने सहयोग किया।बाबा का यह भण्डारा देर रात तक चला।

कन्नड़ राज्योत्सव मनाया गया

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

मैसूरु. बनूर कस्बा के समीप चामनहल्ली में स्थित डॉ.बाल गंगाधर स्वामी शिक्षण संस्थान में 68 वां.कन्नड़ राज्योत्सव व बाल दिवस आदि चुनचुनगिरी मठ प्रमुख सोमेश्वरनाथ स्वामी की अध्यक्षता में मनाया गया द्य पर्यावरण जागृति वैदिके बनूर के अध्यक्ष महेन्द्र सिंह राजपुरोहित कालप्पा मुख्य अतिथि रहें द्य सर्व प्रथम माँ भुवनेश्वरी की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया द्य बाद में जम्मू-कश्मीर में आतंकियों से मुठभेड़ में शहीद हुए कैप्टन एम.वी. प्रांजल को श्रद्धांजलि अर्पित की द्य अतिथियों ने छात्रहित में

अपना प्रेरणादायी संबोधन दिया द्य बाद में विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार की खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लिया द्य बच्चों ने क्रान्तिकारी सुभाषचंद्र बोस, भगत सिंह व आदि महापुरुषों के रूप धरे द्य सांस्कृतिक कार्यक्रम में कन्नड़ लोक कला संस्कृति से ओतप्रोत नाटक मंचन प्रस्तुति दी द्य खेलकूद प्रतियोगिताओं व सांस्कृतिक कार्यक्रम में श्रेष्ठ स्थान प्राप्त करने वाले छात्र व छात्राओं को परितोषित प्रदान करते हुए प्रशस्ति पत्र दिया गया द्य इस अवसर पर शिक्षक अश्वस्थ, उमाशंकर, मरीगौड़ा, व्यवस्थापक आनंद गौड़ा सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रही

फैशन शो एवं डांस के लिए फोटकोलियो फोटो सूट ऑडिशन शुरू

जनवरी में होगा फैशन शो व डांस कंपटीशन

सीहोर। मॉडलिंग व एक्टिंग की दुनिया मे कदम रख रहे प्रतिभागियों के लिए अग्रसोच सोशल फाउंडेशन एवं कमला मोल्डिंग एकेडमी द्वारा सीहोर में फैशन आइकॉन 2023 का आयोजन करने जा रहा है जिसके ऑडिशन हेतू पोर्टफोलियो फोटोशूट का आयोजन किया जा रहा है जिसमें प्रतिभागियों ने मॉडलिंग पोर्टफोलियो हेतु शानदार फोटो पोज दे कर फोटोशूट करवाया किए जाएंगे । अग्रसोच सोशल फाउंडेशन के आशीष गुप्ता एवं कमला मॉडलिंग एकेडमी के सतीश विश्वकर्मा ने बताया कि एक निजी गार्डन में शनिवार, 25 नवम्बर को फोटोशूट का ऑडिशन रखा गया है। जिसमें सीहोर एवं आसपास के जिलों के में फैशन मॉडल की तैयारी कर रहे प्रतिभागियों को अग्रसोच सोशल फाउन्डेशन के आशीष गुप्ता, कमला मॉडलिंग ऐकेडमी के सतीष विश्वकर्मा, बताया कि इस अवसर पर विजय धनगर, फरमान खान, राम वर्मा, रोहित शाक्य, विक्कुल चौधरी, राकेश, आकाश सौलंकी, जितेन्द्र सोनी, उदय अहुजा आदि प्रतिभागियों ने अपने फोटो शूट करा कर प्रतियोगिता में भाग लिया। फैशन आईकॉन 23 के लिए फोटो शूट करवाया है जिसके ऑडिशन दिसम्बर से शुरू हो रहे हैं। फोटोज शूट में कमला डांस एकेडमी के सतीश विश्वकर्मा का विशेष सहयोग रहा। पोर्टफोलियो फोटो सूट सभी मॉडल के लिए अति महत्वपूर्ण होता है। जिससे उनको मॉडलिंग पोज फेस एक्सप्रेशन की बारीकियों के रूबरू करबाया जाता हैं। इस दौरान प्रतिभागियों ने अलग-अलग स्टाईल में अपना फोटोशूट कराया जाएगा । कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को कमला मॉडलिंग ऐकेडमी के सतीष विश्वकर्मा ओर से स्मृति चिन्ह प्रदान किए जाएंगे।

अन्नकूट की प्रसादी सनातन के हर घर तक पहुंचे यही आश्रम का लक्ष्य-पं.मोहितरामजी

सीहोर। कथा वाचक पं.मोहितराम जी महाराज ने कहा कि भगवान गिराजधरण को अन्नकुट का भोग लगाया जाता है। यह हमारी संस्कृति है कोई भी सनातनी कभी भूखा ना रहे। सनातनी संस्कृति और परंपरा एवं संस्कार को सदैव अग्रणी रखकर चलने वाले संस्थान श्री माधव महाकाल आरोग्य आश्रम के प्रणेता पूज्य संत धर्म रक्षक पंडित दुर्गा प्रसाद जी कटारे बाबा के आशीर्वाद से कथा व्यास पूज्य संत पंडित मोहितरामजी पाठक के सानिध्य में तीन दिवसीय श्री तुलसी शालिग्राम विवाह महोत्सव एकादशी उद्यापन एवं भगवान गोवर्धन के छप्पन भोग के साथ अंकूट भण्डारे का आयोजन किया गया। जिसमें आज प्रथम दिवस भगवान शालिग्राम माता तुलसी का हल्दी चंदन एवं मंडप पूजन गणेश पूजन आश्रम परिवार के माता बहनों एवं समिति द्वारा किया गया। आज एकादशी पर उद्यापन के पश्चात भगवान शालिग्राम एवं तुलसी मैया का विवाह किया। साथ ही अन्नकूट का आयोजन श्री माधव महाकाल आरोग्य आश्रम सेकड़ा खेड़ी रोड सीहोर के तत्वावधान में आयोजित किया गया। आज के आयोजन में सीहोर विधायक सुरेश राय, पूर्व विधायक रमेश सक्सेना, समाजसेवी अखिलेश राय, सतीश राठौर अध्यक्ष राठौर समाज, सुनील शर्मा प्रांत सह मंत्री विहिप, जगदीश कुशवाहा जिला अध्यक्ष विहिप, नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर, आश्रम के अध्यक्ष नरेंद्र शर्मा, श्रीमती प्रेमलता राठौर, श्रीमती उषा सक्सेना, श्रीमती अरुणा राय, हरिओम दाऊ, भंवरलाल परमार, अशोक चौहान, शेखर कटारे सहित बड़ी संख्या में आश्रम परिवार एवं श्रद्धालु गण भागवत प्रेमी उपस्थित रहे।

100 से अधिक खिलाडियों ने सेट फुटबॉल फीडर सेंटर ट्रायल में लिया भाग

सीहोर। आज सीहोर के चर्च ग्राउंड पर फुटबॉल फीडर सेंटर सीहोर की ट्रायल में 100 से अधिक खिलाडियों ने भाग लिया। जिसमें 30 से अधिक बालिका एवं 70 से अधिक बालकों ने भाग लिया। मुख्य कोच विपिन पवांर एवं गोलकीपर कोच विजेंद्र परमार, सीनियर खिलाड़ी मनोज अहिरवार,वरिष्ठ संतोष ट्रॉफी प्लेयर आनंद उपाध्याय ,खेल विभाग के वरिष्ठ अधिकारी राजेंद्र वर्मा की उपस्थिति में चयन ट्रायल आयोजित हुई। प्रत्येक खिलाड़ी को उनकी पोजिशन पर खिलाकर ट्रायल ली गई। फाइनल ट्रायल कल कराई जाएगी। जिसमे जो खिलाड़ी भाग नहीं ले सके है वह भी कल ट्रायल में भाग ले सकते है। कोच तीन

ग्रुप के खिलाडियों का चयन करेंगे, जिसमें 10 से 14 साल, 14 से 16 वर्ष और 16 से 18 वर्ष तक के खिलाड़ी का चयन किया जा रहा है। चयन होने पर प्रतिदिन इन खिलाडियों को निशुल्क कोचिंग दी जाएगी। इसके साथ ही खेल सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। यही खिलाड़ी आगे जाकर जिला का प्रतिनिधित्व करेंगे। खेलो इंडिया फीडर सेंटर के मुख्य कोच विपिन पवार ने बताया कि फीडर सेंटर की ट्रायल के लिए हम विगत कई दिनों से प्रयासरत थे। खेल अधिकारीयों ने फीडर सेंटर सीहोर में चालू करने का निर्णय लिया। दिनांक 25 नवंबर को जिले के फीडर सेंटर के सभी खिलाडियों को आमंत्रित किया है व कल दिनांक 26 नवंबर शाम 3ः30 बजे से पुनः फाइनल ट्रायल करेंगे ।

जहां पर जाने से आत्मा का उद्धार होता है वह शत्रुंजय महातीर्थ है: मुनि राजपद्मसागरजी

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

बेंगलूरू । श्री शांतिनाथ श्वेतांबर मूर्ति पूजक जैन संघ एलन पुरम श्रीरामपुरम में बेंगलुरु जेपीपी श्रमनी भवन में श्रावक एवं श्राविकाओं को समझाते हुए कार्तिक पूर्णिमा की अद्भुत महिमा बताते हुए मुनि राजपद्मसागरजी ने कहा आत्मा का उद्धार अगर करना हो तो तीर्थ में यात्रा करनी चाहिए ,और ऐसे ही महान तीर्थ जहां पर अनंत आत्माओं ने जाकर के अपनी आत्मा का कल्याण किया है, ऐसे श्री शत्रुंजय महातीर्थ की कार्तिक पूर्णिमा की महिमा बताते हुए कहा कि आदिनाथ परमात्मा के पुत्र द्रविड़ के दो पुत्र थे द्रव्य द्राविड़ और वारीखिल परमात्मा की देशना सुनकर द्रविड़ ने अपने पुत्र को राज्य का भार देकर के संसार असार है संसार अनित्य है ,जहां पर कुछ भी नित्य नहीं है, और जो नित्य सुख है वह शाश्वत मोक्ष सुख है ऐसे ही परमात्मा की वैराग्य में वाणी सुनकर के उन्होंने श्री ऋषभदेव परमात्मा के पास में दीक्षा अंगीकार कर ली, और द्रविड़ एवं वारीखिल दोनों अपना अपना राज्य संभाल रहे थे लेकिन जीव की कई प्रकार का संसार में रहते जीव कुछ न ऐसा जगह राज्य की वजह से अंदर युद्ध हुआ दोनों भाइयों के बीच सात महीने तक युद्ध चला और तापस

मिले, उनका दर्शन करने के उपदेश सुनकर बाद में लगा कि संसार में कुछ भी नहीं है लड़ाई झगड़ा कब तक, भाईचारा कुछ भी नहीं है, यह सब राज्य थोड़े समय के लिए है अस्थाई है, आज नहीं तो कल इस शरीर का कोई भरोसा नहीं है ,आत्मा अजर अमर है। वह ऐसी वाणी को सुनकर के उनको लगा कि हमें भी इस संसार को त्यागना चाहिए और दोनों हो दोनों ही भाई ने दस करोड़ तापस बन गए, बहुत समय तक साधना की,विचरण किया उसके बाद में विद्याधर मुनि मिले, जैन मुनि मिले और उनके साथ में उनकी वाणी को सुनकर के वह प्रतिबोध हुए ,और उन्होंने वापस, जैन दीक्षा अंगीकार किया और कर्म को खपाने के लिए श्री शत्रुंजय महत्व पर आए और कार्तिक पूर्णिमा के दिन उन्होंने 10 करोड़ मुनियों के साथ में मोक्ष सिधारे सिद्ध गति को प्राप्त हुए सर्वथा दुखों से मुक्त हो गए शाश्वत सुख को पा लिया ऐसी कार्तिक पूर्णिमा की महिमा है। मुनि श्रमणपद्मसागरजी ने कहा की आत्मा अमर है, नित्य है, संसार का सुख और अशाश्वत है अस्थिर है, और आत्मा हमेशा अमर रहती है, इसलिए हमें जो समय मिला है उसे समय के अंदर धर्म आराधना करनी चाहिए। पूज्य महाराज साहब का चातुर्मास परिवर्तन संघवी आच्छा परिवार सुमंगलम राजाजीनगर में होगा।।

सफलता तब मिलती है जब कार्यकर्ता अपनी जीवटता लगाता है हमारी जीत तय है - उमाकांत शर्मा

नगर एवं ग्रामीण मंडलो के बूथ कार्यकर्ताओं की बैठक में विधायक प्रत्याशी उमाकांत शर्मा ने जताया आभार

सिरोंज
अभिषेक कुशवाह

विधानसभा की चुनावी प्रक्रिया सम्पन्न ही जाने के उपरांत भारतीय जनता पार्टी संगठन के कार्यकर्ताओं की मंडलवार बैठकों का आयोजन किया गया। बैठक में विधायक प्रत्याशी उमाकांत शर्मा ने मतदान केंद्रों पर सक्रिय रूप से भागीदारी करने वाले सेक्टर प्रभारियों, मंडल कार्यकारिणी, बूथ कार्यकर्ताओं संवाद करते हुए भाजपा के पक्ष में प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से काम करने वाले सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद भी ज्ञापित किया। भाजपा नगर मंडल एवं ग्रामीण के चितावर व देवपुर मंडल के बूथ कार्यकर्ताओं एवं मंडल के पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता जब खून पसीना और अपनी जीवटता लगाता है तो ऐसी ही सफलता मिलती है। एक विधानसभा स्तर पर आप सबके प्रयासों से ऐसी सफल अमित शाह की सभा हुई वह अनुकरणीय है। मतदान के एक दिन पहले से दिन- रात और फिर दिन भर मतदान हो जाने तक समाज के सभी आयुवर्ग के युवा और बुजुर्ग कार्यकर्ताओ ने परिश्रम की पराकाष्ठा करके दिखाई है। इस चुनाव में पहली बार काफी सँख्या में नए मतदाताओं ने भी उत्साह के साथ वोट डाला। भाजपा के हम सभी विचारधारा के लिए जीने वाले कार्यकर्ता हैं। राष्ट्र का हित हम सबके लिए पहले है। कही न कही इस चुनाव में भी स्वर्गवासी लक्ष्मीकांत शर्मा ने भी चुनाव लड़ा है और क्षेत्र की जनता ने उनके चरणों मे भी वोट रूपी एक छोटी भी अपनी भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की है। लक्ष्मीकांत जी सदैव कहते थे यह सिरोंज लटेरी मेरा मंदिर है यहाँ कि जनता जनार्दन मेरी भगवान है और मेरे

कार्यकर्ताओ तो देव दुर्लभ कार्यकर्ता हैं। हम उनके लिए सदैव पण प्राण से सेवा करते रहेंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आव्हान करते हुए कहा कि जब तक हम सब ओर हमारी संताने जिंदा है तब तक विदिशा जिले की धरती से उनका नाम खत्म नही होना चाहिए। कार्यकर्ताओं की मेहनत को आत्मविश्वास देते हुए हम चुनाव जीतेंगे दम से जीतेंगे ओर यह जीत सिरोंज लटेरी के एक एक कार्यकर्ता के खून पसीने की मेहनत की जीत होगी। हमें भारत तेरे तुड़के होंगे कहने वालों की नही बल्कि वीर हमीद जैसे देशभक्त नागरिक चाहिए।देश की एकता और अखंडता के लिए हमें आने वाले दस पंद्रह सालों तक देश मे भाजपा सरकारों तथा नरेंद्र मोदी जैसे नेतृत्व की जरूरत है। इस अवसर पर बैठक को संतोष चौरे, महेंद्र सिंह दाँगी जितेंद्र बघेल ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से रमेश यादव,चांदमल जैन,डॉ पीके विश्वास, माथुर, मंडल अध्यक्ष झार सिंह दाँगी, चरण सिंह राजपूत,पारस तारण, हमीर सिंह यादव, नारायणदास साहू,हरिबाबू भार्गव, भगवान सिंह यादव सहित ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के सैकड़ों की सँख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

अभ्यर्थी को सुरक्षा गार्ड के साथ गणना केन्द्र में प्रवेश की अनुमति नहीं

खरगोन जिले से मुन्ना खान पुष्पांजलि टुडे

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार ऐसा कोई भी व्यक्ति जिसे केन्द्र अथवा राज्य सरकारों से सुरक्षा प्राप्त है, उम्मीदवारों का गणना एजेंट नहीं बन सकेगा। आयोग के मुताबिक किसी भी चुनाव लड़ रहे किसी भी उम्मीदवार को उसके सुरक्षा गार्ड अथवा सशस्त्र सुरक्षा गार्ड के साथ मतगणना केन्द्र में प्रवेश करने नहीं दिया जायेगा। आयोग के अनुसार सुरक्षा गार्ड प्राप्त उम्मीदवार से मतगणना केन्द्र में प्रवेश के लिए अपनी मर्जी से सुरक्षा को समर्पण करने का सहमति पत्र प्राप्त होने के बाद ही मतगणना केन्द्र में प्रवेश करने दिया जायेगा।

जीडीसी में संविधान दिवस पर शपथ कार्यक्रम''

खरगोन जिले से मुन्ना खान
पुष्पांजलि टुडे
शासकीय कन्या

महाविद्यालय खरगोन में आज 25 नवम्बर को रासेयो इकाई द्वारा प्राचार्य डॉ.एमके गोखले की अध्यक्षता में संविधान दिवस मनाया गया। सर्वप्रथम प्राचार्य ने छात्राओं से संविधान से संबंधित प्रश्नोत्तरी की। उसके बाद उन्होंने संविधान का महत्व समझाया। ततपश्चात संविधान दिवस की शपथ दिलवाई। कार्यक्रम में डॉ. ममता गोयल, डॉ. अनुराधा ठाकुर, डॉ. पवन नामदेव, डॉ. मोनिका चौहान सहित अन्य शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टॉफ और छात्राऐं उपस्थित रही। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार रासेयो प्रभारी डॉ.रफिया अजीज ने माना।

धूमधाम से निकली हरिहर मिलन यात्रा

पुष्पांजलि टुडे
रिपोर्टर
अभिषेक कुशवाह
सिरोंज। परंपरा अनुसार कार्तिक मास में पंडित नलिनीकांत शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित होने वाले कार्तिक महोत्सव के अंतर्गत शनिवार को हरिहर मिलन यात्रा का आयोजन धूमधाम से किया गया। कार्तिक मास में प्रतिदिन त्रिपुर सुंदरी घाट पर होने वाले नित्य संध्या आरती उपरांत पालकी में विराजे भगवान शिव को लेकर यह यात्रा धूमधाम से भगवान मदन मोहन सरकार के दरबार मे भगवान विष्णु से मिलन के लिए प्रारंभ हुई। धूमधाम के साथ निकली इस यात्रा का नेतृत्व पंडित नलिनीकांत शर्मा कर रहे थे जिनके सानिध्य में कार्तिक स्नान कर पुण्य लाभ ले रही महिलाओं एवं पुरुषों के साथ सनातनी श्रद्धालुगण भी काफी संख्या में उपस्थित रहे। आयोजन में विधायक उमाकांत शर्मा ने भी

कलेक्टर ने जिला चिकित्सालय के ओ.पी.डी. का निरीक्षण किया

ओ.पी.डी. ड्यूटी से अनुपस्थित चार चिकित्सा अधिकारियों को दिया नोटिस,24 घंटे के अन्दर कार्यालय में उपस्थित होकर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने निर्देश दिए

दैनिक पुष्पांजली टुडे भिण्ड । कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव द्वारा आज जिला चिकित्सालय भिण्ड के ओ.पी.डी. का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान चिकित्सा अधिकारी डॉ. आशीष नैक्या, डॉ. हिमांशू बंसल, पी.जी.एम.ओ. चिकित्सा अधिकारी डॉ. टी.एन. सोनी, महिला चिकित्सा अधिकारी डॉ. श्रीमती रश्मि उपाध्याय अपनी-अपनी ओ.पी.डी. ड्यूटी से अनुपस्थित थे। जबकि सभी की ओ.पी.डी. ड्यूटी थी, जिसमें सभी को ओ.पी.डी. में बैठकर कार्य करना चाहिये था। उक्त लापरवाही सेओ.पी.डी. में आये मरीज एवं उनके परिजनों को परेशानी का सामना करना पड़ा।इस प्रकार ड्यूटी से अनुपस्थित रहना मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1966 नियम 3 के उपनियम-1 के खण्ड (1) (2) (3) के अनुरूप न होकर कदाचरण की श्रेणी में आता है।कलेक्टर श्री श्रीवास्तव ने चिकित्सा अधिकारी डॉ. आशीष नैक्या, डॉ. हिमांशू बंसल, पी.जी.एम.ओ. चिकित्सा अधिकारी डॉ. टी.एन. सोनी, महिला चिकित्सा अधिकारी डॉ. श्रीमती रश्मि उपाध्याय को कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर कहा है कि आप सभी अपनी-अपनी ड्यूटी से क्यों अनुपस्थित थे। इस संबंध में सभी अपना-अपना स्पष्टीकरण पत्र प्राप्ति के 24 घंटे के अन्दर कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें कि क्यों न आपके विरूद्ध मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 10 (4) के अंतर्गत नियमानुसार कार्यवाही की जाये। यदि आपका उत्तर समयसीमा में प्राप्त नहीं हुआ तो यह मानकर कि आपको आपके पक्ष में कुछ नहीं कहना है या संतोषप्रद न होने की दशा में एक पक्षीय कार्यवाही निर्णय लेते हुये कार्यवाही प्रस्तावित की जावेगी

कलेक्टर और एसपी ने मतगणना स्थल की व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अनुराग वर्मा ने पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता के साथ शनिवार को शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यंकट क्रमांक-1 सतना में बनाए गए मतगणना स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने इस दौरान सातों विधानसभा क्षेत्र के स्ट्रांग रूम का नियमित निरीक्षण भी किया। कलेक्टर और एसपी ने मतगणना स्थल के प्रवेश द्वार का निरीक्षण कर मतगणना के दिन मतगणना स्थल पर प्रवेश करने वाले व्यक्तियों के प्रवेश और स्थल की सुरक्षा के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इस मौके पर सीईओ जिला पंचायत डा परीक्षित झा?, उप जिला निर्वाचन अधिकारी ऋषि पवार, रिटर्निंग ऑफिसर नीरज खरे, एसके गुप्ता, प्राचार्य सुशील श्रीवास्तव, इलेक्शन सुपरवाइजर द्वारिकेन्द्र सिंह सहित निर्वाचन अमला भी उपस्थित रहे। रिटर्निंग ऑफिसर सतना और रैगांव विधानसभा क्षेत्र ने अपने अपने स्ट्रांग रूम का नियमित निरीक्षण भी किया। गौरतलब है कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिये संपन्न हुये मतदान की मतगणना 3 दिसंबर 2023 को होगी। आयोग द्वारा प्रदेश के समस्त जिला निर्वाचन अधिकारियों को मतगणना के पूर्व मतगणना स्थल का प्रतिदिन निरीक्षण करने के निर्देश दिये गये है। आयोग के निर्देशों के परिपालन में सतना और मैहर जिले की विधानसभा क्षेत्रों की पोल्ड ईवीएम

मतगणना स्थल के प्रवेश द्वार में जमा होंगे मोबाईल फोन

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना विधानसभा निर्वाचन 2023 की मतगणना 3 दिसंबर को प्रातः 8 बजे से शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यकंट क्रमांक-1 सतना में की जायेगी। मतगणना दिनांक को मतगणना कार्य में संलग्न अधिकारियों-कर्मचारियों सहित चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों, निर्वाचन अभिकर्ता एवं मीडिया कर्मियों के मोबाईल फोन प्रवेश द्वार पर ही जमा हो जायेंगे। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी ऋषि पवार ने मतगणना स्थल के प्रवेश द्वार पर मोबाईल फोन जमा करने कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है। जारी आदेशानुसार मतगणना स्थल के मुख्य द्वार पर अभ्यर्थियों एवं मीडिया कर्मियों के मोबाईल जमा करने आशीष त्रिपाठी और राजबहादुर कुशवाहा तथा मतगणना अभिकर्ताओं के मोबाईल जमा करने रशीद खान, इंद्रलाल पटेल, प्रदीप विश्वकर्मा, दुर्गेश मलिक, केपी सिंह, गणेश सोनी, मनीष बागरी, मिथलेश कुमार शुक्ला की ड्यूटी लगाई गई है। इसी प्रकार मतगणना कार्य में संलग्न अधिकारियों-कर्मचारियों के मोबाईल मतगणना स्थल के दक्षिणी भाग में मल्टीहॉल के सामने के प्रवेश द्वार में जमा होंगे। इसके लिये चंद्रकुमार मिश्रा और योगेंद्र तिवारी की ड्यूटी लगाई गई है। ड्यूटी में संलग्न कर्मचारी 3 दिसंबर को मतगणना स्थल पर प्रातः 6 बजे से उपस्थित रहेंगे। इसके साथ ही प्रवेश द्वार पर मोबाईल जमा कर संबंधित व्यक्ति टोकन प्रदाय करेंगे और मोबाईल मांगे जाने पर टोकन का मिलान कर मोबाईल वापस सौंपेंगे।

सन्त बाबा उमाकान्त जी महाराज का पूर्णिमा का सतसंग एवं नामदान 26, 27 नवम्बर को गोण्डा (उ.प्र.) में, सभी सादर आमंत्रित

गोण्डा (उ.प्र.)इस समय के युगपुरुष, पूरे समरथ सन्त सतगुरु, दुःखहर्ता, उज्जैन वाले बाबा उमाकान्त जी महाराज का सतसंग एवं नामदान कार्यक्रम 26 व 27 नवम्बर 2023 को, प्रार्थना, सुमिरन, ध्यान व भजन नित्य की भांति स्थान- बाबा जयगुरुदेव आश्रम, जयगुरुदेव नगर, निकट इटियाथोक, जिला गोण्डा, उ.प्र. में होगा।कार्तिक पूर्णिमा के दिन शिव जी ने त्रिपुरासुर का वध करके देवताओं की इच्छा पूर्ति की, देव प्रसन्न होने से त्रिपुरारी कहलाए। ऐसा कैसे और क्यों हुआ? मनुष्य शरीर किस काम के लिए मिला ? अकाल मृत्यु तथा आने वाली भयंकर मुसीबत से बचेंगे कैसे ? आदि की जानकारी के लिए दो दिवसीय आध्यात्मिक सतसंग कार्यक्रम आयोजित किया गया है।सतसंग में बाबा जयगुरुदेव जी महाराज के आध्यात्मिक उत्तराधिकारी, बाबा उमाकान्त जी महाराज कार्तिक पूर्णिमा से लाभ के बारे में बताएंगे तथा मनुष्यों से जान-अनजान में जो बुरे

कर्म बन गए, पाप लग गया जिसकी वजह से बुद्धि खराब हो रही, लड़ाई-झगड़ा, चोरी, बेईमानी, ठगी, परनारी गमन, देशद्रोहिता, हिंसा-हत्या में मन लग रहा है। इससे मुक्ति कैसे मिलेगी? इसके बारे में बाबा जी बतायेंगे क्योंकि लोगों को भारी पाप जो लग गया, वह जब खत्म होगा तभी जीने का सुख मिलेगा।इस धर्म धरती पर इस वक्त के समर्थ गुरु सन्त बाबा उमाकान्त जी महाराज हैं जिनके दर्शन करने, सतसंग सुनने से देश-विदेश के बहुत से लोगों को बीमारी, टेंशन में फायदा हुआ है तथा जो नामदान लेकर इस चेतन शरीर से चेतन प्रभु की पूजा, ध्यान में लग गए हैं और उनके अन्त समय के मुक्ति-मोक्ष का रास्ता भी खुल गया है। अतः आप इस सूचना को निमंत्रण कार्ड मानकर सपरिवार, रिश्तेदार, मित्रों सहित आइए, बाबा जी का दर्शन करिए, सतसंग सुनिए, सुख, समृद्धि, शान्ति पाइए और अंत समय में नाम की जहाज पर बैठकर भवसागर से पार हो जाइए।जयगुरुदेव जयगुरुदेव जयगुरुदेव जय जयगुरुदेव नाम की ध्वनि रोज एक घण्टा लगातार बोलने से तकलीफों में आराम मिलने लगता। आजमाइश करके देख लो जयगुरुदेव नाम प्रभु का ही है। जब मुसीबत में आदमी देवी-देवता फरिश्ते मददगार नहीं होंगे तब यह जयगुरुदेव नाम शाकाहारी, चरित्रवान, नशामुक्त लोगों के लिए मददगार होगा।

समर्थन मूल्य पर धान खरीदी कार्य एक दिसम्बर से होगा शुरू

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना समर्थन मूल्य पर जिले के निर्धारित उपार्जन केन्द्रों पर धान खरीदी कार्य एक दिसम्बर से शुरू होकर 19 जनवरी 2024 तक जारी रहेगा। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा धान कॉमन का समर्थन मूल्य 2183 रूपए प्रति क्विंटल एवं धान ग्रेड-ए का समर्थन मूल्य 2203 रुपये प्रति क्विंटल घोषित किया गया है। धान उपार्जन कार्य सप्ताह के पांच दिन प्रातः 8 बजे से सायं 8 बजे तक किया जाएगा।

जिला अधिवक्ता संघ कार्य कारिणी का पदभारग्रहण एवं नवांतुक व स्थानांरित जिला प्रधान न्यायाधीश का सम्मान एवं विदाई समारोह

सीहोर। जिला न्यायालय सीहार के प्रांगण में नवनिर्वाचित जिला अधिवक्ता संघ कार्यकारिणी का पदभारग्रहण एवं नवांतुक श्री सतीश चंद्र शर्मा तथा स्थानांतरित प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश का स्वागत एवं विदाई कार्यकम आयोजित किया गया इस अवसर पर दोनो विद्वानद्विय ने कार्यक्रम मे अपना उदबोधन मार्गदर्शन दिया । जिसमे विशिष्ठ अतिथि श्री सुरेशसिंह विशेष न्यायाधीश थे तथा कुटुम्ब न्यायालय की प्रधान न्यायाधीश सुश्री सुमन श्रीवास्तव एवं प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश राजेश कुमार शाही मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी श्रीमति अर्चना नायडू बोडे एवं समस्त न्यायाधीगण उपस्थित रहे। जिला जिला अधिवक्ता संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष के रूप में श्री राधेश्याम यादव एवं सचिव राजेश वर्मा, उपाध्यक्ष सचिन तिवारी कोषाध्यक्ष संजय भारद्वाज सहसचिव रिषभ दांगी एवं पुस्तकालय अध्यक्ष श्री ह्रदेश बशिष्ठ ने पदभार ग्रहण किया कार्यकम मे मुख्य एवं सहायक चुनाव अधिकारी श्री जी.के उपाध्याय एवं श्री जी.डी बैरागी का सम्मान

किया गया ।इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप मे श्री प्रेम सिंह भदौरिया अध्यक्ष स्टेट बार काउंसिल म.प्र. उपस्थित हुये उन्होने अपने उदगार मे जिला बार को हर संभव मदद देने की बात के साथ ही अधिवक्ता कल्याण हेतु उनके द्वारा किये जा रहे कार्यों की जानकारी दी गई बरिष्ठ सदस्य श्री महेन्द्र सिंह सिसोदिया ने कार्यक्रम की अध्यक्षता कर संबोधित किया तथा श्री एन.पी. उपाध्याय एवं श्री रामनारायण ताम्रकार, शरद जोशी ने भी अपना उदबोधन दिया। कार्यकम का संचालन श्री रूपेश सक्सेना द्वारा किया गया ।अतिथियो का स्वागत सम्मान मे श्री महेश दयाल चौरसिया, एम.एल कौशल, श्री प्रदीप पहलवान, सी.एस.लांबा, श्री के.यू कुरैशी, अनिल दुबे, श्रीमुकेश सक्सेना, राजेश काशिव, कमर अहमदसिद्धीकी, एच.पी. चक्रधर, जितेन्द्र व्यास, अनिल पारे अजित शुक्ला, ब्रजेन्द्र सिंह चंदेल, आजाद पाराशर, मनोहर पाटिल, धमैन्द्र प्रजापति, राजेश बैरागी, एन. अवधनारायण दांगी, रवि पारे, अनमोल राठौर, रेखा चौरसिया, शोभना महाजन, सारिका ताम्रकार, बरखा वर्मा, रंजना शर्मा सुमन सिकरवार आदि ने किया

संपादकीय

आत्मघाती दबाव

सर्वोच्च अदालत की वह सारगर्भित टिप्पणी देश के हर अभिभावक की आख खोलने वाली है कि परिवारों का दबाव व प्रतियोगी परीक्षाओं की भयावह स्पर्धा छात्रों द्वारा आत्महत्या करने की बड़ी वजह है। निस्संदेह, यह टिप्पणी हमें आत्ममथन के लिये भी विवश करती है कि बच्चे का इंजीनियर–डॉक्टर बनना जरूरी है या उसका परिवार में सहजता से जीवन–यापन करना। हाल के दिनों में परिवार की उम्मीदों का पहाड़ ढोते छात्रों की आत्महत्याओं में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। राजस्थान के एक चर्चित शहर के अलावा देश के कई महानगरों में छात्र लगातार कोचिंग के जरिये तकदीर बदलने की उम्मीद से पहुंच रहे है। मध्यम व निम्न मध्यमवर्गीय परिवारों के ये बच्चे अभिभावकों द्वारा किसी तरह जुटाए रुपयों के बूते इन कोचिंग संस्थानों में पढ़ने जाते हैं। लेकिन जब वे इस गलाकाट स्पर्धा में खुद को पिछड़ता पाते है तो आत्मघाती कदम उठाने से नहीं चूकते। एक ओर जहां उन्हें यह भय सताता है कि यदि वे असफल हुए तो परिजनों ने पेट काटकर जो पैसे उनकी पढ़ाई में लगाए हैं,कहीं वे जाया न चले जाएं। वहीं उनके डॉक्टर–इंजीनियर न बन पाने के भय का दबाव भी उन पर होता है। यही वजह है कि इस सदी के दूसरे दशक में विद्यार्थियों के आत्मघात के मामलों में सत्तर फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। जिसमें एक बड़े हिस्से लगभग तीस फीसदी की वजह परिवार का दबाव बताया जा रहा है। दरअसल, स्कूल की पढ़ाई खत्म करके सीधे कोचिंग्स संस्थानों में दाखिला लेने वाले ये छात्र पारिवारिक माहौल से दूर एक ऐसे वातावरण में जाते हैं, जहां एकाकी जीवन के अलावा परीक्षाओं में अच्छे अंक लाने का दबाव उन्हें मुश्किल में डाल देता है। कुदरत हर बच्चे को एक विशिष्ट गुण देती है और उसके निमित्त उसकी रुचि के विषय में ही उसे शिक्षा दी जानी चाहिए। जरूरी नही है कि हर बच्चे में इंजीनियर व डॉक्टर बनने की क्षमता या गुण हों। लेकिन भेड़ चाल के चलते उसे अरुचिकर विषयों में अध्ययन करने को बाध्य होना पड़ता है। दरअसल, एक चिकित्सक ने शीर्ष अदालत में दायर जनहित याचिका में आरोप लगाया था कि कोचिंग संस्थानों का वातावरण बेहद दबाव डालने वाला होता है। जिससे संवेदनशील व होनहार प्रतिभाएं बेहद दबाव में आकर बिखर जाती है। उनका आरोप है कि यह स्थिति संविधान प्रदत्त जीने के अधिकार का अतिक्रमण है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि आखिर बच्चों को कोचिंग संस्थानों में जाने की जरूरत क्यों पड़ती है। हमारे स्कूल–कॉलेज उन्हें इस योग्य बनाने में सक्षम क्यों नही है। जाहिर है जब स्कूल–कॉलेज उनकी प्रतिभा निखारने व मार्गदर्शन करने में समर्थ नही होते तो मजबूरी में छात्रों को कोचिंग संस्थानों की शरण में जाना पड़ता है। जिसकी वजह से देश में अरबों रुपये का कोचिंग का कारोबार फल–फूल रहा है। इन संस्थानों की फीस इतनी अधिक होती है कि निम्न मध्यमवर्गीय व गरीब तबकों के अभिभावक बच्चों को कोचिंग संस्थान भेजने में खुद को असमर्थ महसूस करते है। फिर वे अपने भविष्य के लिये रखी जमा पूंजी व बैंकों से महंगा लोन उठाकर किसी तरह इन कोचिंग संस्थानों की फीस चुका पाते है। नये शहर में उन्हें रहने व खाने–पीने का खर्च अलग से उठाना पड़ता है। इसके अलावा परिजन भी अपनी महत्वाकांक्षाओं का बोझ छात्रों पर डाल देते है। जिसका दबाव कई संवेदनशील छात्रों को तनावग्रस्त कर देता है। अभिभावक व छात्र इस बात पर विचार नही करते कि डॉक्टर– इंजीनियर बनने के अलावा भी कैरियर के तमाम क्षेत्र आज मौजूद है। तमाम गैस–परंपरागत क्षेत्र में भी उद्यमी छात्र चमकीला कैरियर बना रहे है। ऐसे में सरकार व अभिभावकों की तरफ से बच्चों की काउंसलिंग करने की जरूरत है कि वे प्रतियोगिता के किसी दबाव से बिखरने के बजाय भविष्य की नई संभावनाओं पर भी विचार करें। साथ ही छात्रों को यह बताने की जरूरत है कि व्यक्ति को मुश्किल से मानव जीवन मिलता है। छात्रों का आत्मघात समस्या का समाधान नही है बल्कि यह अभिभावकों को जीवनभर न भुलाये जाने वाला त्रास दे जाता है। निस्संदेह, यह अभिभावकों के लिये आत्ममंथन का समय है।

भारत की बढ़ती विशाल जनसंख्या के प्रति अनदेखी

भारत की तेल कंपनियों ने रूस से सस्ता तेल खरीदकर यूरोपीय देशों को तेल निर्यात किया है। चीन तो पहले से ही रूस से तेल खरीद रहा है अब पाकिस्तान ने भी रूस से तेल खरीदना शुरू कर दिया है। ऊर्जा संकट में यूरोपीय देशों के लिए भारत देवदूत बनकर उभरा है।

संजीव ठाकुर

भारत की विशाल जनसँख्या आजकल राजनैतिक गलियारों में खासी चर्चा का विषय बनी हुई है। भारत की बढ़ती जनसंख्या के सन्दर्भ मे मशहूर विचारक गार्नर का कहना है कि जनसंख्या किसी भी राज्य के लिए उससे अधिक नहीं होनी चाहिए जितनी साधन संपदा उसके पास है। जनसंख्या किसी देश के लिए तब तक वरदान होती है, जब तक वह अपनी सीमा रेखा के पार ना जाए पार जाने के बाद वह धीरे–धीरे अभिशाप का रूप लेने लगती है। वर्तमान समय मे भारत की जनसंख्या चीन के बाद दूसरे नंबर पर है। हमारे सामने अभी जनसंख्या विस्फोट की बड़ी समस्या है। पर विगत 20 वर्षो से पूरे विश्व के उपभोक्ता सामानो के उत्पादक कंपनियां इसे बड़ी पोटेशियलिटी यानी बड़ी ताकत मानती है,अभी भारत की जनसँख्या अनुमानित 140 करोड के लगभग है पर हिंदुस्तान मे 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में 121 करोड़ जनसंख्या निवास करती है। यह विश्व की जनसंख्या की 17.4: होती हैद्य स्वतंत्रता प्राप्ति के समय की जनसंख्या 36 करोड़ थी, और आज हम 140 करोड़ से कहीं ऊपर जा चुके है। आज के उपभोक्तावादी समय में कोई इसे बड़ी समस्या मानने को तैयार नहीं है। राजनेता वोटो की राजनीती के चलते इस पर मौन साधे बैठे हुए है। इसकी तरफ कोई ध्यान भी देने को राजी नहीं है। मशहूर अर्थशास्त्री माल्थस ने कहा है कि जनसंख्या ज्यामितिय अनुपात में आगे बढ़ती है, और उत्पादन अंक गणित के हिसाब से आगे बढ़ता है। उन्होंने यह कहा है कि जनसंख्या के अत्यधिक बढ़ जाने से उसे महामारी तथा प्राकृतिक विपदा से अपने नियंत्रण में कर लेती है। जनसंख्या के संदर्भ में यह बात सही ही उतरती है। करोना ने पूरी वैश्विक जनसंख्या को जिस तरह अपने संक्रमण में लिया था, और लाखों लोगो को मौत के घाट उतारा। ऐसे में अर्थशास्त्री माल्थस की भारत के सन्दर्भ में भविष्यवाणी सच होती दिखाई देती है। वैसे तो भारत में जनसंख्या के विस्फोट के कई कारण है, जिनमें जन्म मृत्यु का असंतुलन, कम उम्र में विवाह, अत्यधिक निरक्षारता,धार्मिक दृष्टिकोण, निर्धनता मनोरंजन के साधनों की कमी, एवं अंधविश्वास है। पर आज वैश्विक स्थिति में भारत बड़ी उपभोक्ता सामान बनाने वाली कंपनियों के लिए एक बहुत बड़ा और सशक्त आर्थिक स्थिति पैदा करने वाला बाजार है। इस बाजार में आधिपत्य जमाने के लिए बड़ी–बड़ी कंपनियां भारत

हिंदुस्तान की 121 करोड़ जनता को रोजमर्रा के सामान बेचने के लिए देशी विदेशी कंपनियों की होड़ लगी हुई है। भारत में सबसे ज्यादा अमेजॉन विदेशी कंपनी द्वारा भारत में ऑनलाइन सामान बेचने का रिकॉर्ड ही बन गया हैद्य आज इतनी बड़ी जनसंख्या को अनाज तथा भोजन बनाने के सामान को लेकर विश्व की दो बड़ी कंपनियां आमने–सामने हो गई है। विदेशी कंपनी अमेजन आक्रामक रूप से भारत में अपनी मौजूदगी तथा अस्तित्व को बनाए रखने के लिए तेजी से प्रयासरत है। उसे पूरी आशा है कि वह उभरते हुए मार्केट पर अपना कब्जा बनाए रखेगीद्य वहीं दूसरी तरफ भारत की बहुत बड़ी कंपनी रिलायंस भी ई–कॉमर्स मार्केटिंग में घरेलू सामानों को बेचने पर अमादा है। दोनों बड़ी कंपनियों में आज बहुत बड़े तनाव की स्थिति आ गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेजॉन के साथ रिलायंस कंपनी का भविष्य कानून की लड़ाई के उपरांत ई–कॉमर्स का भविष्य ही निर्धारित होगा। अमेजॉन के संस्थापक जैफ बेजॉस ने अमेजॉन को वैश्विक पैमाने पर रिटेल के धंधे को परिवर्तित करके रख दिया है। पर रिलायंस के मालिक मुकेश अंबानी जो कथित रूप से भारत के सबसे अमीर व्यक्ति है। उनका इतिहास भी किसी भी कानूनी अथवा बाजार की लड़ाई में हारने वालों में नहीं रहा है। अब अमेजॉन तथा रिलायंस के सामने मुसीबत खड़ी हो गई है कि दोनों कंपनियों द्वारा भारत की एक भारतीय रिटेल कंपनी फ्यूचर रिटेल ग्रुप के साथ अलग–अलग सौदे किए है।

4 दिन का युद्ध विराम क्या राहत लाएगा

46 दिन बाद गजा में हिंसा रुकने की कोई उम्मीद जागी है। 7 अक्टूबर को हमास ने इजरायल पर हमला किया था, जिसमें 12 सौ लोग मारे गए। यह पचास वर्षों में किए गए सबसे भयावह हमलों में से एक था। फिलिस्तीन पर किसी भी तरह कब्जा जमाने की फिराक में लगे इजरायल के लिए यह हमला सुनहरा मौका लेकर आया। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बिना समय गंवाए युद्ध का ऐलान कर दिया। 12 सौ इजरायलियों के बदले 14 हजार फिलिस्तिनियों को मारा जा चुका है। नेतन्याहू शायद इस सदी का सबसे भयावह नरसंहार अपने नाम करवाने में सफल हो गए होंगे। हालांकि रूस और अमेरिका से उन्हें चुनौती मिल रही होगी, लेकिन फिलहाल नेतन्याहू की टक्कर में कोई नहीं दिख रहा है। रूस में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी यूक्रेन के साथ जंग छेड़ी हुई है, लेकिन अपने हमलों में वे नैतिकता और लोकतंत्र का पाठ दुनिया को नहीं समझाते हैं, बल्कि साफ–साफ अपने मतलब की बात करते दिखते हैं। वहीं अमेरिका बड़ी चालाकी से अपनी गोटियां रखता है। यूक्रेन से लेकर इजरायल और फिलिस्तीन तक हर युद्धग्रस्त क्षेत्र में अमेरिकी मौजूदगी नजर आएगी, मगर वो कहीं भी युद्ध का सीधे भागीदार नहीं बनता। विश्वशांति से लेकर लोकतंत्र और निरस्त्रीकरण तक सारे दायित्व उसने अपने नाम लिखवा लिए है और शांतिराना तरीके से ऐसा माहौल बना दिया है कि अब अमेरिका से उसकी जवाबदेही के बारे में कोई सवाल नहीं करता। कभी किसी ने कर भी लिए तो अमेरिका उनका जवाब देना जरूरी नहीं समझता। तो इस तरह नरसंहार की दौड़ में फिलहाल नेतन्याहू सबसे आगे हैं। हिटलर के बाद शायद अब नेतन्याहू की ही मिसालें दी जाएंगी कि किस तरह मासूम लोगों को नफरत का शिकार बनाया गया। संयोग ऐसा है कि हिटलर ने यहूदियों पर जुल्म ढाए और अब यहूदियों को इंसाफ के नाम पर नेतन्याहू उसी राह पर हैं। हालांकि दुनिया भर में लोग इजरायल की क्रूरता के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। कई जगहों से लोगों ने युद्ध को तत्काल रोकने की अपील की है, ताकि निर्दोषों की मौत का सिलसिला रुके। इजरायल के खिलाफ आवाज उठाने वालों में यहूदी भी शामिल हैं। इससे जाहिर है कि अपने नाम पर की जा रही ये हिंसा यहूदियों को बर्दाश्त नहीं हो रही है। दुनिया में अगर सभी लोग धर्म के नाम पर चलाई जा रही राजनीति और हिंसा को रोकने के लिए उठ खड़े हों, तो काफी हद तक शांति स्थापित हो सकती है। बहरहाल, फिलहाल अंतरराष्ट्रीय दबाव के बीच इजरायल की कैबिनेट ने 50 बंधकों की रिहाई को सुरक्षित करने के लिए हमास के साथ युद्ध विराम के समझौते को मंजूरी दे दी है। इसके तहत लड़ाई में चार दिन के विराम के दौरान बंधक रिहा किए जाएंगे, यह भी कहा गया है कि अतिरिक्त दस बंधकों की रिहाई पर युद्ध विराम को एक और दिन के लिए बढ़ाया जाएगा। हालांकि खबर ये भी है कि कैबिनेट की बैठक से पहले इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा था कि बंधकों की रिहाई के लिए समझौता होने के बावजूद हमास के साथ युद्ध जारी रहेगा। अब इजरायल की केबिनेट की बात सुनी जाएगी या नेतन्याहू की, ये अगले दो–तीन दिनों में ही साफ हो जाएगा। अगर युद्ध रुका रहा, तो यह बहुत बड़ी राहत होगी। इस समझौते के बाद हमास ने बताया है कि इजरायली बंधकों के बदले इजरायल की जेलों से 150 फिलिस्तीनियों को रिहा किया जाएगा। क्या इजरायल वाकई ऐसा करेगा, ये देखना होगा। इस समझौते के तहत राहत सामग्री और दवाइयां लेकर आने वाले सैकड़ों ट्रकों को गजा में दाखिल होने की अनुमति दी जाएगी। गौरतलब है कि ईंधन, भोजन, पानी और दवाओं के अभाव में गजा एक बड़े कब्रिस्तान में बदलता जा रहा है। फिलिस्तिनियों के लिए मात्र 10 प्रतिशत ही भोजन उपलब्ध है, अस्पतालों में बिजली और दवाओं के न होने के कारण मरीजों का इलाज नहीं हो रहा। ऊपर से इजरायली विमानों ने चुन–चुन कर अस्पतालों को निशाना बनाया है, जबकि वहां आतंकियों के ठिकाने है, इसकी कोई पुष्टि नहीं है। जो लोग बमों और गोलियों से न मरें, वे भूख और बीमारी से मर जाएं, कुछ हालात ऐसे बन गए है। ऐसे में राहत सामग्री के पहुंचने से कुछ तो मदद मिलेगी। चार दिनों के युद्ध विराम के इस समझौते को करवाने में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन, और सीआईए के प्रमुख खास तौर पर शामिल रहे। अमेरिकी

नेताओं ने कतर और इजराइल के साथ लगातार वार्ताएं की ताकि समझौते को अंतिम रूप दिया जा सके। दरअसल इस समझौते में अमेरिका के अपने हित भी जुड़े हैं। 7 अक्टूबर से दस अमेरिकी लापता हैं और ये माना जा रहा है कि उन्हें बंधक बनाकर रखा गया होगा। साफ हो गया कि बिना स्वार्थ के अमेरिका कुछ नहीं करता। इससे पहले संयुक्त राष्ट्र संघ ने युद्ध विराम की कितनी कोशिशें की, लेकिन अमेरिकी रवैये के कारण वे सफल नहीं हो पाई। दुख इस बात का है कि भारत भी अमेरिका के पीछे चलता दिखाई दे रहा है। कल ही यानी मंगलवार को ब्रिक्स देशों ने एक असाधारण वर्चुअल सम्मेलन में गजा में तुरंत संघर्ष–विराम लागू करने की अपील की थी। इसके सदस्य देशों में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा कि फिलिस्तीनियों की अलग देश की मांग को लंबे समय से नजरअंदाज किया जा रहा है, तो वहीं रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इस संकट के लिए नाकाम अमेरिकी कूटनीति को जिम्मेदार बताया और दक्षिण अफ्रीका ने इजरायल पर शुद्ध अपराधोंद्य और नरसंहार के आरोप लगाये है। लेकिन भारत की ओर से मोदी इस बैठक में शामिल नहीं हुए, शायद उनकी चुनावी व्यस्तता थी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसमें हिस्सा लिया। ब्रिक्स नेताओं ने जहां संघर्षविराम की मांग की वहीं भारतीय विदेश मंत्री ऐसा कहने से बचते नजर आए और केवल इतना कहा कि फिलिस्तिनियों की चिंताओं को गंभीरता से सुना जाना चाहिए। इससे पहले भी युद्धविराम पर भारत संयुक्त राष्ट्र में हुए मतदान से दूर रहा था, जबकि बाकी सभी ब्रिक्स सदस्य देशों ने प्रस्ताव का समर्थन किया था। प्रधानमंत्री मोदी का इजरायल और अमेरिका के लिए झुकाव अब छिपी बात नहीं है। लेकिन उनकी धारणाओं के कारण देश की विदेश नीति गलत राह पर चले या उसकी साख को धक्का लगे, ये सही नहीं है। बेंजामिन नेतन्याहू तो अपना नाम कैसे दर्ज कराएंगे ये तय है। अब श्री मोदी को विचार करना होगा कि वे भारत का परचम विश्वशांति के लिए लहराते है या फिर हिंसा और बदले की जुबान बोलने वालों के साथ खड़े होते है।

अपना काम कठिन और दूसरों का आसान लगता है

डॉ. नन्दकिशोर साह

कैसे हो जी, बड़े मजे है। आपके तो, बस दिन भर कंप्यूटर पर बैठ कर खट–पिट बटन दबाना पड़ता है। एक हम हैं, जो भाग–भाग कर काम कर रहे है। काश हमको भी आप ही के जैसा काम मिल जाता। इस तरह का ताना मारनेवाले लोग आपको हर ऑफिस में मिल जायेंगे। ऐसे लोगों को लगता है कि पूरी दुनिया में केवल हमारा काम ही सबसे कठिन है और हम ही सबसे ज्यादा मेहनती है। बाकि तो कंपनी के दामाद है और उन्हें कंपनी यूं ही बैठे रहने की सैलरी दे रही है। दरअसल हम में से अधिकतर लोगों को लगता है कि सामने वाले की नौकरी कितनी मजे की है और हमारी कितनी खराब है। लोग डॉक्टर को देख सोचते है कि दो–चार दवाइयां परची में लिख देते हैं और कितना सारा रुपया कमा लेते है। वे यह नहीं सोचते है कि उस परची में वो दो–चार गोलियां कौन–सी लिखनी है, इसके लिए उन्होंने कितनी रातें जाग कर पढ़ाई की है। बहुत से लोगों को रिपोर्टर की जॉब भी बड़ी मजेदार लगती है। वे सोचते हैं कि इनके काम तो हाथों–हाथ हो जाते होंगे। इनके तो पूरे परिवार को टॉकीज में मुफ्त में फिल्म देखने को मिलती होगी। सारे फिल्म स्टार्स के ये इंटरव्यू लेते है, तो सभी के पर्सनल मोबाइल नंबर इनकी जेब में होंगे। कई बार तो रिपोर्टर और फोटोग्राफर तक झगड़ते है। फोटोग्राफर कहता है तुम तो घटना होने के बाद आओ, तो भी काम चल जाता है। जानकारी लेकर खबर लिख लोगे, हमें तो उसी क्षण फोटो के लिए पहुंचना होता है। रिपोर्टर कहता है तुम दो मिनट में फोटो सिस्टम में डाल कर चले जाओगे, हमें तो घंटों शब्दों को पिरो कर दमदार खबर लिखनी होती है। पति को लगता है कि पत्नी घर में खाना बनाने, सोने और टीवी देखने के अलावा करती ही क्या है? पत्नी को लगता है कि पति ऑफिस में बैठे–बैठे दो–चार फाइलें देखने और दोस्तों से गप्पे मारने के अलावा क्या करते हैं? कुल मिला कर सभी को अपना काम कठिन और दूसरों का सरल लगता है, लेकिन सच ठीक इसके विपरीत होता है। यह आपको तब पता चलेगा जब आप अपने साथी का काम एक बार कर के देखें और खुद को आजमाएं। हर पेशे की अपनी खासियत और अपनी कठिनाइयां होती है। आप इसे दूर बैठ कर महसूस नहीं कर सकते। इसे एक बार खुद आजमाएं तब बोलें। दूसरों को ताना देना बंद करें। जिस तरह आपको सामने वाले का काम आसान लग रहा है, उसी तरह सामने वाले को भी आपका काम आसान लगता है।

पीठ की चोट के कारण बीबीएल-13 से हटे राशिद खान

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान ने पीठ में चोट लगने के बाद बिग बैश लीग (बीबीएल) के 13वें संस्करण से नाम वापस ले लिया है। राशिद, जो एडिलेड स्ट्राइकर्स के लिए खेलते हैं, एक छोटी सर्जरी से गुजरेंगे। स्ट्राइकर्स ने एक बयान में कहा, राशिद पीठ की चोट के कारण आगामी बीबीएल 13 से हट गए हैं, जिसके लिए एक छोटे ऑपरेशन की आवश्यकता है। स्ट्राइकर्स ने अभी तक राशिद के प्रतिस्थापन की घोषणा नहीं की है, क्लब ने कहा है कि वे भविष्य के सीज़न के लिए राशिद के रिटेशन अधिकार को बनाए रखेंगे। एडिलेड स्ट्राइकर्स के क्रिकेट महाप्रबंधक टिम नीलसन ने कहा, राशिद स्ट्राइकर्स के एक प्रिय सदस्य और प्रशंसकों के पसंदीदा रहे हैं जो सात साल से हमारे साथ है, इसलिए इस गर्मी में हम उनको मिस करेंगे। राशिद को एडिलेड और स्ट्राइकर्स से प्यार है, और हम जानते हैं कि वह बीबीएल में खेलना कितना पसंद करते हैं, और हम उनका समर्थन करते हैं क्योंकि खेल में उनकी दीर्घकालिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए उनके पास इस चोट का इलाज है। दिसंबर 2017 में बीबीएल में पदार्पण करने के बाद, राशिद ने 69 मैचों में 17.51 की औसत और 6.44 की इकॉनमी से 98 विकेट लिए हैं। राशिद आगामी बीबीएल से हटने वाले दूसरे बड़े क्रिकेटर हैं, इससे पहले मेलबर्न स्टार्स के हैरी ब्रूक ने अपने कार्यभार को प्रबंधित करने के लिए बाहर निकलने का फैसला किया था।

आईपीएल के अगले सीजन में हिस्सा नहीं लेंगे बेन स्टोक्स, सीएसके ने की पुष्टि

नई दिल्ली। इंग्लैंड के हरफनमौला खिलाड़ी और टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अगले सीजन में हिस्सा नहीं लेंगे। उनकी फ्रेंचाइजी चेन्नई सुपर किंग्स ने इसकी पुष्टि की। स्टोक्स, जिन्होंने पिछले साल एकदिवसीय संन्यास से यू-टर्न लेते हुए भारत में हाल ही में संपन्न विश्व कप में भाग लिया, अपने बाएं घुटने की सर्जरी कराएंगे और इंग्लैंड के जनवरी 2024 के अंत में भारत के बहुप्रतीक्षित टेस्ट दौरे से पहले ठीक होने की राह पर होंगे। हालांकि, वह अपने कार्यभार और फिटनेस का प्रबंधन करने के लिए आईपीएल में हिस्सा नहीं लेंगे। सीएसके स्टोक्स को रिलीज करने के लिए तैयार थी, जिसे उन्होंने पिछले साल की नीलामी में 16.25 करोड़ रुपये में खरीदा था, क्योंकि सीजन के लिए उनकी अनुपलब्धता की संभावना थी। फ्रैंचाइज़ी ने अब इंग्लैंड के खिलाड़ी और अगले सीजन को छोड़ने के उनके फैसले का समर्थन किया है। सीएसके के एक आधिकारिक बयान में कहा गया, चेन्नई सुपर किंग्स प्रबंधन आईपीएल से पहले भारत में 5 टेस्ट मैचों की श्रृंखला और फिर जून 2024 में टी 20 विश्व कप को लेकर इंग्लैंड के साथ अपने कार्यभार को प्रबंधित करने के बेन स्टोक्स के फैसले में उनका समर्थन करता है वहीं, स्टोक्स ने भी विश्व कप के दौरान कहा था, उम्मीद है कि मैं भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज़ के लिए ठीक हो जाऊंगा। विश्व कप के बाद मेरी सर्जरी होने वाली है... इसे कब करवाना है यह तय करने में काफी समय लग गया। भारत टेस्ट सीरीज, जो हम जनवरी के अंत में शुरू करेंगे, मुझे तब तक ठीक हो जाना चाहिए।

'भाई, विश्व कप ट्रॉफी के प्रति कुछ सम्मान दिखाओ', उर्वशी रौतेला की मिशेल मार्श को नसीहत

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने विश्व कप ट्रॉफी पर अपना पैर जमाए रखने के लिए ऑस्ट्रेलिया के हरफनमौला खिलाड़ी मिशेल मार्श पर निशाना साधा है। ऑस्ट्रेलिया द्वारा भारत में वैश्विक टूर्नामेंट जीतने के बाद मार्श ने कप पर अपना पैर रखा था।

अपराजित भारतीय टीम के खिलाफ येलो टीम ने आसान प्रदर्शन किया और 19 नवंबर को 6 विकेट से विजेता बनी। भारत ने बोर्ड पर सिर्फ 240 रन बनाए और लक्ष्य ने वनडे विश्व कप के इतिहास में सबसे सफल टीम को कभी परेशान नहीं किया। ट्रैविस हेड ने शानदार शतक बनाया और मार्नस लाबुशेन ने अर्धशतक लगाकर उनका साथ दिया।

इस बीच ऋषभ पंत पर अपनी टिप्पणियों के लिए चर्चा में रहीं उर्वशी को मैच शुरू होने से पहले एफिल टॉवर में क्रिकेट विश्व कप ट्रॉफी का अनावरण करने के लिए आमंत्रित किया गया था। उन्होंने कपिल देव, मिशेल मार्श, लियोनेल मेसी और खुद की तीन तस्वीरें पोस्ट कीं। उन्होंने एक तस्वीर पर थम्स डाउन इमोजी के साथ लिखा, 'भाई, विश्व कप ट्रॉफी के प्रति कुछ सम्मान दिखाओ। मिचेल मार्श ने कूल दिखने के लिए अपने पैर इसके ऊपर रख दिए हैं।'

चीन मास्टर्स बैडमिंटन

शीर्ष महिला खिलाड़ी एन से-यंग और गिंटिंग एंथोनी सिनिसुका दूसरे दौर में हारे

शेनझेन। महिला एकल में दुनिया की नंबर 1 दक्षिण कोरिया की एन से-यंग और पुरुष एकल में दूसरी वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया के गिंटिंग एंथोनी सिनिसुका गुरुवार को यहां 2023 बीडब्ल्यूएफ चीन मास्टर्स के दूसरे दौर में हारकर बाहर हो गए।

विश्व चैंपियन एन को चीन के वांग झीयी से सीधे सेटों में 21-12, 21-16 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं, तीसरी वरीयता प्राप्त चीन की चेन युफेई मलेशिया के गोह जिन वेई को 21-9, 21-16 से हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंच गईं। पुरुष एकल मुकाबले में गिंटिंग को गैर वरीय चीनी ताइपे के लिन चुन-यी ने 21-18, 21-17 से हराया। अगले दौर में लिन का सामना चीनी शटलर झाओ जुनपेंग से होने वाला है, जिन्होंने डेनमार्क के रासमस गेम्के को 21-13, 21-14 से हराया। जापान के तीसरे वरीयता प्राप्त कोडाई नाराओका को डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसेन पर 21-19, 12-21, 21-19 से जीत हासिल करने के लिए 110 मिनट के कठिन मैच का सामना करना पड़ा, जबकि चीन के सातवीं वरीयता प्राप्त शी युकी को फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव ने 21-15, 21-19 से हराया।

चोट के कारण कैरेबियन दौरे से बाहर हुए इंग्लिश तेज गेंदबाज जोश टंग

लंदन। संयुक्त अरब अमीरात में चल रहे इंग्लैंड लायंस प्रशिक्षण शिविर के दौरान चोट लगने के बाद जोश टंग अगले महीने इंग्लैंड के कैरेबियन दौरे से बाहर हो गए हैं। 3 दिसंबर से एंटीगुआ में शुरू होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए मैथ्यू पॉट्स उनकी जगह लेंगे, लेकिन 12-21 दिसंबर तक होने वाले पांच टी20 मैचों के लिए अभी तक किसी प्रतिस्थापन की घोषणा नहीं की गई है।

यह चोट 26 वर्षीय टंग के लिए एक झटका है, जिन्होंने 2023 की घरेलू गर्मियों में लॉर्ड्स में अपने दो टेस्ट मैचों के दौरान प्रभावित किया था, और सभी प्रारूपों में सफेद गेंद से पदार्पण की उम्मीद कर रहे थे। 90 मील प्रति घंटे की गति से उछाल उत्पन्न करने की उनकी क्षमता के साथ, इंग्लैंड सेट-अप के लिए टंग के मूल्य की पुष्टि पिछले महीने हुई थी जब उन्हें एक आकर्षक दो साल का ईसीबी केंद्रीय अनुबंध सौंपा गया था। टंग की तरह, पॉट्स को भी 2023-24 के लिए दो साल का ईसीबी अनुबंध प्राप्त हुआ था, जो 2022 में अपने पहले टेस्ट समर के दौरान उनकी कार्य नीति से प्रभावित हुए थे। इस साल जून में लॉर्ड्स में आयरलैंड के खिलाफ एकमात्र मैच खेलने से पहले, उन्होंने उस साल पांच मैचों में 28.00 की औसत से 20 विकेट लिए थे।

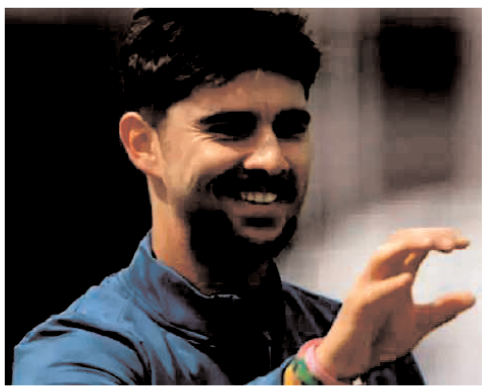

मान की आतिशी पारी की बदौलतस अर्बनराईजर्स हैदराबाद ने इंडिया कैप्टिल्स को 3 रन से हराया

रांची। जेएससीए इंटरनैशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेली जा रही लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) के पांचवे मुकाबले में गुरकीरत सिंह मान द्वारा खेली गई 54 गेंदों पर 89 रनो की आतिशी पारी की बदौलत अर्बनराईजर्स हैदराबाद ने इंडिया कैप्टिल्स को एक रोमांचक मुकाबले में तीन रनों से शिकस्त दी। लीग में अर्बनराईजर्स हैदराबाद की यह दूसरी जीत है।

मैच में कैप्टिल्स ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग का फैसला किया, जिसे उनके गेंदबाजों ने सार्थक ठहराया। हैदराबाद के सलामी बल्लेबाजी डायेन स्मिथ (3) और मार्टिन गप्टिल (2) 10 रनों के कुल स्कोर पर सस्ते में पवेलियन लौट गए। इसके बाद गुरकीरत सिंह मान और कप्तान सुरेश रैना ने खतरे को भांपते हुये तीसरे विकेट के लिए 92 रनो की साझेदारी की और स्कोर को 100 के पार पहुंचाया। 46 के निजी स्कोर पर सुरेश रैना, केपी अपन्ना को अपना विकेट दे बैठे। परन्तु मान और नये बल्लेबाज पीटर ट्रिगो ने एक ओर 65 रनों की साझेदारी के साथ टीम को मजबूती दी। 167 के टीम स्कोर पर मुनाफ पटेल ने मान को आउट कर उन्हें शतक बनाने से रोका। वहीं दूसरी ओर नाबाद ट्रिगो ताबड़तोड़ बल्लेबाजी में जुटे रहे और मात्र 20 गेंदों पर 36 रन बनाये। स्टुअर्ट बिन्नी ने एक रन जोड़ा जबकि नाबाद योगेश नागर ने 6 रन बनाए। हैदराबाद ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 189 रन बनाए। ईसुरु उडाना ने सर्वाधिक दो विकेट लिये। 190 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंडिया कैप्टिल्स शुरु से ही संघर्ष करती नजर आई और पहले पावरप्ले के खत्म होने तक टीम ने केवल 43 रन पर कप्तान गौतम गंभीर (0), हाशिम आमला (5), क्रिक एडवार्ड्स (11) और बेन डंक (5) का विकेट खो दिया।

यहां से केविन पीटरसन और रिकार्डो पावेल पांचवें विकेट के लिए 72 रनों की साझेदारी कर अपनी टीम को वापसी दिलाई। इस साझेदारी का अंत मोफू ने पोवेल (26) को आउट कर किया जिससे स्कोर पांच विकेट 115 रन हो गया। पीटरसन ने नये बल्लेबाज एश्ले नर्स के साथ एक ओर 42 रनों की अहम साझेदारी रचते हुये टीम को लक्ष्य के ओर करीब पहुंचाया ।

ताबड़तोड़ छह छक्कों और चार चौकों की मदद से 77 रनों की पारी खेल रहे पीटरसन के आउट होते ही कैप्टिल्स एक बार फिर बैकफुट पर नजर आई। 157/6 के स्कोर को आगे बढ़ाते हुये एश्ले नर्स (25 गेंदों पर 41) की नाबाद पारी भी काम नहीं आई और विपक्षी गेंदबाजों ने टीम को 6 विकेट पर 186 पर रोक दिया। क्रिस पोफू ने सर्वाधिक दो विकेट चटकाये।

पीकेएल सीज़न 10 : गुजरात जायंट्स के कप्तान नियुक्त हुए फ़ज़ल अत्राचली

नई दिल्ली। भारत के सबसे पसंदीदा खेलों में से एक, कबड्डी, प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 10वें सीज़न के साथ जल्द ही वापस आएगा, जो अहमदाबाद शहर में शुरू होगा।

10वें सीज़न से पहले गुजरात जायंट्स ने फज़ल अत्राचली को टीम का कप्तान घोषित किया है, जबकि रोहित गुलिया उप-कप्तान हैं। टीम को कुशल रणनीतिज्ञ और अनुभवी कोच राम मेहर सिंह द्वारा प्रशिक्षित किया जाता है। गुजरात जायंट्स 2017 और 2018 में दो बार फाइनलिस्ट रहे हैं, और प्रतिष्ठित पीकेएल खिताब हासिल करके टीमों के एक विशिष्ट समूह में शामिल होने के लिए उत्सुक होंगे। संयोग से, 2017 के अभियान में, फ़ज़ल उस जायंट्स टीम का हिस्सा थे जो फाइनल में पहुंची थी। 31 वर्षीय डिफेंडर पीकेएल के दो बार विजेता और

तीन बार एशियाई खेलों के पदक विजेता रहे हैं, और दिग्गजों के लिए नेतृत्व करने के लिए उच्चतम स्तर पर अपने सभी अनुभव का उपयोग करना चाहेंगे।

कोच राम मेहर सिंह ने यहां आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, पीकेएल सीज़न 10 में, सभी खिलाड़ियों में से, फ़ज़ल सबसे सम्मानित खिलाड़ियों में से एक है और उसने अपने करियर में बहुत सारे पदक जीते हैं। मैंने फज़ल के साथ पहले भी काम किया है, और वह महान खिलाड़ी हैं, और हमारे दिमाग में, वह अदानी के गुजरात जायंट्स के लिए कप्तानी के लिए हमारी स्पष्ट पसंद थे। राकेश और प्रतीक दहिया जैसे बेहतरीन खिलाड़ियों और फज़ल की वापसी के साथ, गुजरात के दिग्गजों के पास अच्छी खासी प्रतिभा है। उनके साथ, रोहित और सौरव गुलिया, विकास जगलान, अरकम शेख़, जीबी मोरे और ईरानी ऑलराउंडर मोहम्मद एस्माईल नबीबख्श भी हैं। ऐसी महान प्रतिभा और अनुभव के साथ, गुजरात जायंट्स का लक्ष्य सीज़न की ठोस शुरुआत करना होगा। मुख्य कोच राम मेहर सिंह ने कहा कि टीम, यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है कि वे सही समय पर शिखर पर पहुंचें और फॉर्म में रहें।

फज़ल अत्राचली ने कहा, गुजरात जायंट्स एक बहुत बड़ी टीम है और टीम में वापस आना मेरे लिए खुशी की बात है। मुझे टीम का नेतृत्व करते हुए खुशी हो रही है और टीम में कई युवा खिलाड़ी हैं। मैं जानता हूं कि हम सभी एक साथ मिलकर अच्छा काम करते हैं और एक कप्तान के रूप में इससे मेरा काम आसान हो जाता है। और मैं इस बात से खुश हूं कि चीजें कैसे आकार ले रही हैं। गुजरात जायंट्स अपने सीज़न की शुरुआत 2 दिसंबर को तेलुगु टाइटंस के खिलाफ मैच से करेंगे, जो टूर्नामेंट का शुरुआती दिन है।

ऑस्ट्रेलिया टी20 सीरीज से बाहर हुए Yuzi Chahal का चयनकर्ता को मुंहतोड़ जवाब, 6 विकेट चटकाए

अहमदाबाद। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 श्रृंखला के लिए भारतीय टीम से अनदेखी के बाद लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने यहां उत्तराखंड के खिलाफ विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय टूर्नामेंट में छह विकेट चटकाए जिससे हरियाणा ने छह विकेट से जीत दर्ज की। 33 साल के चहल ने 10 ओवर में 26 रन देकर छह विकेट चटकाए जिससे हरियाणा ने उत्तराखंड को ग्रुप सी मैच में 207 रन पर ढेर कर दिया। चहल ने इस दौरान लिस्ट ए में 200 विकेट भी पूरे किए। युजी चहल को अच्छे प्रदर्शन के बावजूद क्रिकेट विश्व कप के लिए टीम इंडिया में जगह नहीं मिली थी। इसके बाद जब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैचों की टी 20 सीरीज आई तब भी उन्हें नजर अंदाज कर दिया गया। विश्व कप में हिस्सा लेने वाले ज्यादा भारतीय क्रिकेटर इस सीरीज में नहीं खेल रहे। लेकिन बावजूद इसके चहल युवा प्लेयरों की टीम में जगह नहीं बना पाए थे। इसके बाद युजी चहल का एक्स पर किया गया एक मैसेज चर्चा में रहा था जिसमें उन्होंने एक इमोजी के साथ अपने दिल का हाल सुनाया था।

मैच की बात करें तो उत्तराखंड की ओर से आदित्य तारे ने 67 जबकि सलामी बल्लेबाज कुणाल चंदेला ने 47 रन की पारी खेली। इसके जवाब में हरियाणा को सलामी बल्लेबाजों युवराज सिंह (68) और अंकित कुमार (49) ने शानदार शुरुआत दिलाई जबकि कप्तान अशोक मनेरिया ने भी नाबाद 44 रन की पारी खेली जिससे टीम ने चार विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

फीफा प्रमुख आर्सेन वेंगर ने पूरी की भारत की ऐतिहासिक यात्रा

नई दिल्ली। फीफा के वैश्विक फुटबॉल विकास प्रमुख आर्सेन वेंगर ने भारत की अपनी यात्रा संपन्न की, जहां वह दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश में अभूतपूर्व प्रतिभा विकास योजना (टीडीएस) की शुरुआत करने गए। अपने चार दिवसीय दौरे में उनके ओडिशा राज्य के भुवनेश्वर में नई प्रशिक्षण अकादमी का दौरा भी शामिल था, जो देश में सर्वश्रेष्ठ युवा प्रतिभाओं की पहचान करने और उन्हें विकसित करने के लिए एक व्यापक राष्ट्रीय पहल का हिस्सा है। 2022 में लॉन्च किए गए, टीडीएस का लक्ष्य पुरुषों और महिलाओं की राष्ट्रीय टीम फुटबॉल दोनों में वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाना है ताकि देश विश्व मंच पर चमक सकें।

फीफा यह सुनिश्चित करने की योजना बना रहा है कि फीफा अकादमी कार्यक्रम के माध्यम से 2027 तक 75 सदस्य संघों के पास कम से कम एक उच्च प्रदर्शन अकादमी या उत्कृष्टता केंद्र हो।

भारत में, फीफा पूर्णकालिक फीफा टैलेंट कोच सेगी अमेज़कुआ को तैनात करेगा। साथ ही फीफा ने प्रतिभा मार्ग की समग्र योजना और कार्यान्वयन पर दिन-प्रतिदिन मार्गदर्शन और विशेषज्ञता प्रदान करने के लिए उच्च-प्रदर्शन विशेषज्ञ गेड रॉडी को नियुक्त किया है। टीडीएस इंडियन सुपर लीग, आई-लीग,

अग्रणी क्लबों, अकादमियों और क्षेत्रीय राज्य संघों के साथ साझेदारी में अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के विजन 2047 का पूरक होगा। , सफलता खोलेगा नया द्वार एआईएफएफ की आधिकारिक वेबसाइट पर फीफा मीडिया टीम द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति में वेंगर ने कहा, दुनिया में कई बच्चे हैं जिन्हें अपनी प्रतिभा विकसित करने का मौका नहीं मिलता है और हम इसे बदल सकते हैं।उन्होंने कहा, हम उन देशों में विशिष्ट खिलाड़ियों को विकसित करना चाहते हैं जहां आगे विकास की संभावना है और भारत निश्चित रूप से उनमें से एक है। यहां प्रतिभा क्षमता बहुत बड़ी है। हम इस क्षमता को उजागर करने के लिए एआईएफएफ के साथ मिलकर काम करेंगे। फीफा प्रतिनिधिमंडल, जिसमें पूर्व अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी और उच्च प्रदर्शन विशेषज्ञ फिलिप सेंडेरोस और रयान नेल्सन शामिल थे, ने नई दिल्ली में अपनी यात्रा शुरू की, जहां उन्होंने एआईएफएफ के वरिष्ठ प्रबंधन से मुलाकात की और स्थानीय प्रतिभा पहचान विशेषज्ञों के साथ दो दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।

इसके बाद उन्होंने ओडिशा में नई अकादमी की यात्रा की, जो एक संयुक्त फीफा-एआईएफएफ पहल है जिसे प्रतिस्पर्धी युवा राष्ट्रीय टीमों को विकसित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। एक बार जब केंद्र पूरी तरह से चालू हो जाएगा, तो एआईएफएफ देश भर में अतिरिक्त क्षेत्रीय केंद्रों के साथ इस विकास को पूरक बनाने का प्रयास करेगा। वेंगर ने आगे कहा, मैं चाहता हूं कि भारत अपनी युवा प्रणाली को अच्छी तरह से विकसित करे, हम महान खिलाड़ी तैयार करें और भारत फीफा विश्व कप में जाए। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि हमारे पास फुटबॉल की दुनिया को बदलने का अवसर है। फुटबॉल दुनिया का नंबर एक खेल है, और 1.4 बिलियन की आबादी वाले भारत जैसे देश का इस दुनिया में अस्तित्व में रहना निश्चित है और वह इसीलिए हम यहां हैं। अंत में, वेंगर और फीफा प्रतिनिधिमंडल ने स्थानीय क्लबों, लीगों और फुटबॉल प्रतिनिधियों से मिलने के लिए मुंबई की यात्रा की, और फुटबॉल पारिस्थितिकी तंत्र के सभी क्षेत्रों में साझेदारी दृष्टिकोण अपनाने के महत्व पर जोर दिया। एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे ने वेंगर को उनकी यात्रा के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, उनका मार्गदर्शन, नेतृत्व, तकनीकी योजना और रणनीति भारत को सपने देखने में मदद करेगी।

भारत-आस्ट्रेलिया के बीच टी -20 मुकाबले के लिए 24 नवंबर से टिकटों की ऑनलाइन बिक्री

रायपुर। शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम में होने वाले भारत-आस्ट्रेलिया के बीच टी-20 मुकाबले के लिए तैयारी शुरु हो गई है। मुकाबले के लिए 24 नवंबर को सुबह 11 बजे से टिकटों की ऑनलाइन बिक्री पे-टीएम से होगी।। इसके अलावा मैच के लिए शहीद वीरनारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम को संवारने का काम भी शुरु हो गया है। वहीं अब छत्तीसगढ़ क्रिकेट एसोसिएशन ने मैच के लिए टिकट के दाम तय कर दिए हैं छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ के अध्यक्ष जुबिन शाह ने बताया कि कल 24 नवंबर को सुबह 11 बजे से टिकटों की ऑनलाइन बिक्री पे-टीएम से होगी। दर्शक पेपेंट प्रूफ दिखा कर रायपुर के इंदोर स्टेडियम में खोले जाने वाले 6 काउंटर से ले सकेंगे। टिकटों की बुकिंग आनलाइन होगी। इंडिया और आस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों को संघ की टीम का मार्गदर्शन करेगी। यह मैच शाम 7.30 बजे से शुरू होगा।मैच की सबसे कम दाम वाली टिकट 1000 रुपये की है जो सिर्फ छात्रों के लिए रखा गया है।

अपर स्टैंड के लिए 3500 रुपये ,लोअर स्टैंड-7500, 5000, 4000 रुपये, सिल्वर-10हजार रुपये ,गोल्ड 12500,प्लेटि नियम -15000 तथा कारपोरेट बॉक्स के लिए 25 हजार रुपये तय किया गया है।

अयोध्या में 25 नवंबर से प्रारंभ हो रही राष्ट्रीय सीनियर तीरंदाजी प्रतियोगिता

अयोध्या। मुख्यमंत्री के निर्देश पर राम की पवित्र नगरी अयोध्या में 25 नवंबर से राष्ट्रीय सीनियर तीरंदाजी प्रतियोगिता प्रारंभ हो रही है। प्रतियोगिता की टीमें 24 नवम्बर को यहां आएंगी। 25 नवम्बर से कार्यक्रम प्रारंभ होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष व केन्द्रीय मंत्री अर्जुन मुण्डा रहेंगे। यह बातें एनटीपीसी राष्ट्रीय सीनियर तीरंदाजी प्रतियोगिता के महासचिव उत्तर प्रदेश तीरंदाजी संघ अजय गुप्ता ने कही। वह गुरुवार को राजकीय इंटर कॉलेज में पत्रकारों के साथ बातचीत कर रहे थे। इस मौके पर पूछे गए एक सवाल पर के जवाब में उन्होंने कहा अयोध्या को इसलिए चुना गया क्योंकि 2024 में राम मंदिर बनने जा रहा है और तीरंदाजी का गेम भगवान राम से जुड़ा है। आप जितने भी भगवान राम के चित्र देखते होंगे उनमें उनके कंधों पर धनुष लटकता हुआ आप देखते रहे हैं। यह खेल ही नहीं एक विधा है। इस प्रतियोगिता में पूरे भारतवर्ष से पुरुष खिलाड़ी 428 और महिला खिलाड़ी 338 खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगी। टोटल 43 टीम हैं जो अयोध्या के राजकीय इंटर कालेज के मैदान में आयोजित होने वाले तीरंदाजी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगी। इस प्रतियोगिता में अयोध्या से कोई खिलाड़ी भाग नहीं ले रहा है। कार्यक्रम 25 तारीख से आरंभ हो रहा है और 29 को समापन होगा। अभी प्रधानमंत्री ने जिन खिलाड़ियों को जो एशिया कप से जीत कर आए हैं सम्मानित किया था, वे सभी खिलाड़ी अयोध्या तीरंदाज खेल में हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा यह हमारा दुर्भाग्य है कि जो हमारा धनुष है वह पूरा का पूरा बाहर से आयातीत है। तीर और धनुष भारत में न बनकर विदेश से मंगाए जाते हैं। धनुष दो प्रकार के होते हैं। एक रिकर्व और दूसरा कम्पाउण्ड। ओलंपिक में खेले जाने वाले धनुष हैं वह रिकर्व होते हैं। कार्यक्रम आयोजन करने का जो खर्च है वह लगभग एक करोड़ रुपए के आसपास लग रहा है।

रुबीना दिलैक

को बेटा होगा या बेटी? कॉमेडियन भारती सिंह ने दिया बड़ा हिंट

एक्ट्रेस रुबीना दिलैक इन प्रेग्नेंसी फेज एंजॉय कर रही हैं. वो जल्द ही मां बनने वाली हैं. रुबीना सोशल मीडिया पर खासी एक्टिव हैं. वो यूट्यूब पर व्लॉग्स भी बनाती हैं. साथ ही अपनी फिटनेस पर भी पूरा ध्यान दे रही हैं. रुबीना प्रेग्नेंसी फेज में भी लगातार काम कर रही हैं. हाल ही में वो कॉमेडियन भारती सिंह के पॉडकास्ट के शूट के लिए गईं. भारती सिंह ने व्लॉग के जरिए इसकी जानकारी दी. उन्होंने रुबीना संग स्पेशल मोमेंट्स भी शेयर किए. इसके अलावा भारती सिंह ने ये भी बताया कि रुबीना दिलैक को बेटा होगा या बेटी.

रुबीना दिलैक को बेटा होगा या बेटी?

भारती ने कहा- रूबी इतनी प्यार लग रही थी कि क्या बताऊं. जब मैं प्रेग्नेंट और शूट करती थी तो सब कहते थे कि मैं सुंदर

हो गई और उसके बाद गोला हुआ. अब मैं रुबीना से कहना चाहती हूं कि जब गोला पैदा होने वाला था तो मैं सुंदर हो गई थी और अब तुम भी सुंदर हो गई हो तो अब तुम्हें भी बेटा होगा. अब दुआ है कि रुबीना के घर प्यारा सा, हेल्दी सा बेबी हो और हम उसे जल्दी देखने जाएं.

रुबीना और भारती शूटिंग के दौरान साथ में काफी एंजॉय किया. भारती रुबीना की हेल्थ को लेकर काफी कंसर्न दिखीं. रुबीना ने कहा, मैं बहुत खुश हूं कि ये बहुत एक्टिव हो. लेकिन मैं कब से कह रही हूं कि घर जाओ, शूटिंग खत्म हो गई है. पर ये ड्रैगन फ्रूट, सेब और पता नहीं क्या क्या खा रही है. अब ये गर्म पानी पी रही है. रूबी तुम घर जाओ, पता चला यहीं पर बच्चा हो गया.

दीपिका कक्कड़

ने अपने लाडले बेटे Ruhaan के लिए घर में बनाया है एक खास कॉर्नर, अपने हाथों से बनी चीजों ये किया है तैयार

टीवी की फेमस एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ और शोएब इब्राहिम कुछ महीने पहले ही एक प्यारे से बेटे पेरेंट्स बने हैं. बेटे के जन्म के बाद कपल अपने नए 5 बीएसके घर में शिफ्ट हुआ था. इस घर को दीपिक ने बड़े ही खास अंदाज से सजाया है. वहीं, अब एक्ट्रेस ने अपने इस नए घर के एक स्पेशल कॉर्नर को दिखाया गया.

दरअसल, दीपिका ने अपने लाडले बेटे रुहान के लिए अपने नए घर में एक स्पेशल कॉर्नर बनाया है और इस कॉर्नर को उन्होंने किसी डिजाइनर से नहीं बल्कि खुद अपने हाथों से बनाई चीजों से सजाया है. इसकी झलक भी दीपिका ने अपने लेटेस्ट व्लॉग में दिखाई है.

बेटे रुहान के लिए दीपिका ने सजाया स्पेशल कॉर्नर

व्लॉग में दीपिका सबसे पहले एक कार की फोटो दिखाती हैं और इसके बाद वे बताती हैं कि आज वे इस कार को खुद बनाने वाली हैं. इसके बाद दीपिका कार पेंट करना शुरू कर देती हैं. कार को पेंट करने के बाद दीपिका उस कॉर्नर को दिखाती हैं. वीडियो में कॉर्नर में रूहान का पालना रखा हैं. इसके बाद दीपिका कुछ आर्टिफिशिय पत्तियां निकालती हैं और फिर अपने लाडले के स्पेशल कॉर्नर को बहुत खूबसूरती से सजाती है. इस कार्टून कार पर दीपिका ने रूहान भी लिखा हुआ है. इसक बाद वे कार को दीवार पर चिपका देती हैं.

बेबी रुहान भी अपनी वाइब्रेंट कार को देख कर काफी खुश नजर आए हैं. दीपिका व्लॉग में कहती हैं कि जब बच्चा बड़ा हो रहा होता है जो उसके आस पास काफी सारे कलर्स होने जरूरी होते हैं. ताकि वे सीख सकें और उसे देखकर एंजॉय भी कर सकें. दीपिका का सजाया हुआ ये कॉर्नर वाकई काफी करलफुल है और काफी प्यारा है.

वर्क फ्रंट की बात करें तो, दीपिक ने कुछ सालों के लिए काम से ब्रेक ले रखा है. वहीं, उनके पति यानी शोएब इब्राहिम इन दिनों डांस रिएलिटी शो झलक दिखला जा में नजर आ रहे हैं.

8 साल उम्र और 30 से ज्यादा अवॉर्ड, Kaun Banega Crorepati में 1 करोड़ के सवाल तक पहुंचने वाला बच्चा कौन है?

कौन बनेगा करोड़पति जूनियर में 8 साल के बच्चे ने धमाल मचा दिया. उन्होंने अपने टैलेंट से सभी को चौंका दिया था. होस्ट अमिताभ बच्चन भी उनकी तारीफ करने से खुद को रोक नहीं पाए. इस बच्चे का नाम है विराट अय्यर. विराट ने शो में इतना अच्छा गेम खेला कि वो 1 करोड़ के सवाल तक पहुंच गए थे. हालांकि, उन्होंने इस सवाल का गलत जवाब दिया और वो केवल 3 लाख 20 हजार ही घर ले जा सके.

कौन हैं विराट अय्यर ?

विराट भिलाई, छत्तीसगढ़ से हैं. विराट 8 साल के हैं और तीसरा क्लास में पढ़ते हैं. शो में एक वीडियो भी चलाया गया था, जिसमें उनके टीचर्स ने बताया कि विराट को गूगल बॉय के नाम से जाना जाता है. वीडियो में उनकी मां ने बताया कि विराट की याददाश्त बहुत अच्छी है.

9 भाषाओं में गाते हैं विराट अय्यर

विराट म्यूजिक और चेस में भी अमेजिंग हैं. विराट ने 1 मिनट में चेकमेट कर लिया है. विराट बड़े होकर चेस में ग्रैंड मास्टर बनना चाहते हैं.

विराट को मिले हैं इतने अवॉर्ड

विराट 9 अलग-अलग भाषाओं में गाना गाते हैं. उन्होंने अभी तक तकरीबन 30 अवॉर्ड जीते हैं. विराट की मां ने बताया कि उन्हें 2020 में ग्लोबल चाइल्ड प्रोडिजी पुरस्कार मिला है. वो दुनियाभर के 100 टैलेंटेड बच्चों में से एक हैं.विराट ने बेहद ही शानदार तरीके से सुपर संदूक खेला था. उन्होंने 7 सवालों के सही जवाब देकर 70 हजार रुपये जीते थे.

ये था एक करोड़ का सवाल

एक करोड़ के सवाल की बात करें तो विराट से पूछा गया- पीरियोडिक टेबल में परमाणु संख्या 96 और 109 वाले दो तत्वों के नाम के नामकरण में क्या यूनिक है?

ऑप्शन थे -A- नोबेल पुरस्कार विजेताओं के नाम पर

B- महिला वैज्ञानिकों के नाम पर

C- भारतीय वैज्ञानिकों के नाम पर D-उनके कोई नाम नहीं हैं

वो इस सवाल का जवाब देते हैं ऑप्शन A.नोबेल पुरस्कार विजेताओं के नाम पर, लेकिन सही जवाब था क महिला वैज्ञानिकों के नाम पर.

Shah Rukh Khan की फिल्म को ठुकरा चुकी है ये हसीना, 2023 में बॉलीवुड डेब्यू से मचा दिया तहलका, बन गई इंडिया की महंगी स्टार

सुपरस्टार शाहरुख खान (Shah Rukh Khan) का बॉलीवुड इंडस्ट्री में सिक्का चलता है. जवान और पठान की सक्सेस से उन्होंने साबित कर दिया कि वह आज भी बॉक्स ऑफिस के बादशाह हैं. एक्टर हो या फिर एक्ट्रेस उनके साथ स्क्रीन शेयर करने से कोई मना नहीं करता, लेकिन एक हसीना ने ये जुर्रत कर दिखाई कर थी. वह कोई और नहीं बल्कि नयनतारा (Nayanthara) हैं. हालांकि, उन्होंने बाद में जवान फिल्म में काम किया था, लेकिन उससे पहले वह शाहरुख खान की एक मूवी का ऑफर ठुकरा चुकी हैं.

फिल्मों से पहले छोटे पर्दे पर किया काम फिल्मों से आने से पहले नयनतारा छोटे पर्दे पर बतौर होस्ट काम करती थीं. साल 2003 में एक्ट्रेस को पहली फिल्म Manassinakkare मिली जो बॉक्स ऑफिस पर कामयाब साबित हुई. इसके बाद नयनतारा ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा. उन्हें एक से एक फिल्मों के ऑफर मिलने शुरू हो गए. नयनतारा को साउथ सिनेमा की लेडी सुपरस्टार कहा जाता है. साउथ सिनेमा की नयनतारा पहली एक्ट्रेस हैं, जिन्होंने साल 2018 में फोर्ब्स इंडिया 100 सेलिब्रिटी लिस्ट में अपनी जगह बनाई थी.

बन गई हैं इंडिया की महंगी एक्ट्रेस

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, नयनतारा को शाहरुख खान की फिल्म चेन्नई एक्सप्रेस में एक स्पेशल सॉन्ग का ऑफर मिला था लेकिन उन्होंने ठुकरा दिया. दिलचस्प बात ये है कि एक्ट्रेस ने शाहरुख खान की जवान से साल 2023 में बॉलीवुड इंडस्ट्री में कदम रखा था. बताया जाता है कि नयनतारा ने जवान मूवी में काम करने के लिए 11 करोड़ रुपये की फीस ली थी और इसके साथ ही वह भारत की महंगी स्टार बन गई हैं.

केजरीवाल के इस्तीफे पर 'वोटिंग' का आगाज, कैसे बता सकते हैं आप अपनी राय

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को यदि कथित शराब घोटाले में गिरफ्तार किया जाता है तो उन्हें इस्तीफा देना चाहिए या फिर जेल से सरकार चलानी चाहिए? आम आदमी पार्टी (आप) शुक्रवार से दिल्ली में इस पर रायशुमारी का आगाज करने जा रही है। खुद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पिछले दिनों कार्यकर्ता सम्मेलन में इसका ऐलान किया था। उन्होंने कहा था कि वह इस्तीफे को जूते की नोक पर रखते हैं, लेकिन फैसला दिल्ली की जनता से पूछने के बाद लिया जाएगा।

दिल्लीवाले कैसे दे सकते हैं अपनी राय?

आम आदमी पार्टी ने रायशुमारी के लिए इस बार कोई फोन नंबर या ईमेल आईडी जारी नहीं की है, बल्कि पार्टी ने कार्यकर्ताओं को घर-घर भेजने का फैसला किया है। डो-टू-डोर कैंपेन के अलावा नुक्कड़ सभाओं का भी आयोजन किया जाएगा। पार्टी के एक नेता ने बताया कि कार्यकर्ता दिल्लीवासियों के घर या मोहल्ले में नुक्कड़ सभा के जरिए उनसे संपर्क करेंगे। उन्हें एक फॉर्म दिया जाएगा, जिसमें मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे को लेकर सवाल पूछते हुए दो विकल्प दिए जाएंगे। फॉर्म भरकर कार्यकर्ताओं को वापस करना है। पूरी दिल्ली से फॉर्म को एकत्रित करने के बाद देखा जाएगा कि जनता की राय क्या है और इसके मुताबिक फैसला किया जाएगा। आम आदमी पार्टी ने पंजाब से गुजरात तक मुख्यमंत्री पद के लिए चेहरे के चुनाव और अन्य कुछ मुद्दों पर पहले भी रायशुमारी करा चुकी है। हालांकि, पहली बार पार्टी ने इसके लिए ऑफलाइन मोड का चुनाव किया है। खुद अरविंद केजरीवाल ने पिछले दिनों इसकी वजह का खुलासा किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं को रायशुमारी के लिए घर-घर जाने का निर्देश देते हुए कहा कि वे इसे ही लोकसभा चुनाव के लिए कैंपेन का आगाज समझें। आम आदमी पार्टी को भरोसा है कि दिल्ली की अधिकतर जनता अरविंद केजरीवाल के कामकाज से खुश है और लोग उन्हें जेल में रहकर भी कामकाज संभालने को कहेंगे। ऐसे में यदि केजरीवाल को गिरफ्तार किया जाता है तो भी वह मुख्यमंत्री पद पर बने रहेंगे और पार्टी के पास विपक्ष खासकर भाजपा की ओर से इस्तीफे की मांग उठाने पर ठोस जवाब होगा।

मोदी सरकार से दो बड़ी मांगें कर दिल्ली पहुंच गए नीतीश कुमार, सियासी हलचल तेज

● बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दो दिवसीय दिल्ली दौरे पर हैं। हाल ही में नीतीश कैबिनेट ने केंद्र सरकार से बिहार के लिए विशेष दर्जे और आरक्षण को 9वीं अनुसूची में डालने की मांग की है।

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अचानक दिल्ली दौरे से सियासी हलचल तेज हो गई है। जेडीयू ने उनके इस दौरे की निजी वजह बताई है। हालांकि, सियासी गलियारों में सीएम के दिल्ली जाने पर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। नीतीश सरकार ने हाल में केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के सामने बिहार के लिए दो बड़ी मांगें की हैं। ऐसे में सीएम नीतीश का दिल्ली दौरा अहम माना जा रहा है। दूसरी ओर, आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव भी दिल्ली में ही हैं। ढुहष्ठढ्ढ गठबंधन पर आगे की चर्चा होने के भी कयास लगाए जा रहे हैं। नीतीश और लालू की दिल्ली में विपक्षी नेताओं से मुलाकात की संभावनाओं से भी इनकार नहीं किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार शाम पटना से विशेष विमान के जरिए दिल्ली रवाना हो गए। उनकी यह यात्रा निजी बताई गई है। वे शनिवार को वापस पटना लौट जाएंगे। जेडीयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने मीडिया को बताया है कि नीतीश रूटीन आई चेकअप के लिए दिल्ली गए हैं। उनकी इस यात्रा का कोई राजनीतिक मकसद नहीं है। हालांकि, फिर भी सियासी गलियारों में सरगर्मियां बढ़ गई हैं।

नीतीश सरकार ने केंद्र के सामने रखीं दो बड़ी मांगें

बिहार सरकार ने हाल ही में केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के सामने दो बड़ी मांगें

रखी हैं। जाति गणना के बाद राज्य में बढ़ाए गए आरक्षण के दायरे को नीतीश सरकार ने संविधान की 9वीं अनुसूची में डालने की मांग की है। ताकि कानूनी अड़चनों का सामना न करना पड़े। इस संबंध में नीतीश कैबिनेट से प्रस्ताव पारित कर केंद्र को भेजा गया है। इसके अलावा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाने की अपनी पुरानी मांग भी तेज कर दी है। इसका प्रस्ताव भी दो दिन पहले कैबिनेट से पारित किया गया।

INDIA गठबंधन पर आगे बढ़ेगी बात? सीएम नीतीश कुमार के दिल्ली दौरे के बीच INDIA गठबंधन की आगामी रणनीति को लेकर भी चर्चाएं तेज हो गई हैं। सीएम नीतीश ने पिछले दिनों कांग्रेस द्वारा गठबंधन पर ध्यान नहीं देने पर चिंता जताई थी। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस पांच राज्यों के चुनाव में व्यस्त है, इसलिए आगे बात नहीं हो पा रही है। दिल्ली दौरे पर नीतीश कुमार द्वारा विपक्षी नेताओं से मुलाकात की चर्चा भी हो रही है। हालांकि, इसकी संभावना कम है, क्योंकि जेडीयू इसे निजी दौरा बता रही है। साथ ही कांग्रेस के आला नेता अभी राजस्थान चुनाव में व्यस्त हैं।

लालू यादव भी दिल्ली में-आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव भी राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में हैं। वे अपनी बेटी एवं राज्यसभा सांसद मीसा भारती के साथ बुधवार को पटना से दिल्ली गए। बताया जा रहा है कि लालू सहारा प्रमुख सुब्रत रॉय के श्रद्धांजलि कार्यक्रम में हिस्सा लेने गए हैं।

8 नौसैनिकों के लिए राहत की खबर, कतर की अदालत ने स्वीकार की याचिका

मिली थी मौत की सजा

नई दिल्ली। भारत के आठ पूर्व नौसेना कर्मियों को मौत की सजा सुनाई गई थी। इसके खिलाफ भारत के द्वारा एक याचिका दायर की गई। कतर की अदालत ने गुरुवार यानी 23 नवंबर को अपील स्वीकार कर लिया है। जल्द ही इस मामले पर सुनवाई होगी। कतर की अदालत ने बीते 26 अक्टूबर को यह फैसला सुनाया था। ये सभी डहरा ग्लोबल टेक्नोलॉजीज और कंसल्टेंसी सर्विसेज के साथ काम करते थे। अगस्त 2022 में उन्हें गिरफ्तार किया गया था।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने 16 नवंबर को इसकी पुष्टि की थी। उन्होंने कहा भारत सरकार के द्वारा इस फैसले के खिलाफ अपील दायर करने की बात कही थी।

एक मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा है अपील कुछ दिनों बाद स्वीकार कर ली गई। अदालत ने 23 नवंबर को पहली सुनवाई करने का फैसला किया। गुरुवार को सुनवाई के दौरान अदालत ने अपील को औपचारिक रूप से स्वीकार कर लिया। अगली सुनवाई की तारीख जल्द तय की जाएगी।

कतर की अदालत ने 26 अक्टूबर को अज्ञात आरोपों में भारत के आठ पूर्व नौसेना अधिकारियों को मौत की सजा सुनाई थी। ये सभी दोहा स्थित डहरा ग्लोबल के कर्मचारी थे और इन्हें जासूसी के आरोप में अगस्त 2022 में गिरफ्तार किया गया था। भारत ने फैसले को बेहद चौंकाने वाला बताया और इस मामले पर कतर के साथ बातचीत के लिए सभी राजनयिक चैनलों को एक्टिव किया है।

गिरफ्तार भारतीयों की पहचान कैप्टन नवतेज सिंह गिल, कैप्टन बीरेंद्र कुमार वर्मा, कैप्टन सौरभ वशिष्ठ,

कमांडर अमित नागपाल, कमांडर पूर्णेंदु तिवारी, कमांडर सुगुनाकर पकाला, कमांडर संजीव गुप्ता और नाविक रागेश के रूप में हुई है। ये सभी भारतीय नौसेना के पूर्व अधिकारी हैं। मंत्रालय ने फैसले के बाद अपनी पहली प्रतिक्रिया में कहा था, ÷हम मौत की सजा के फैसले से गहरे सदमे में हैं और विस्तृत फैसले का इंतजार कर रहे हैं। हम परिवार के सदस्यों और कानूनी टीम के संपर्क में हैं, और हम सभी कानूनी विकल्प तलाश रहे हैं।

दिल्ली-यूपी समेत इन राज्यों में नवंबर के साथ ही खत्म होगा पलूशन

गुलाबी ठंड भी देने जा रही दस्तक

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा और पश्चिम यूपी के कई शहरों में अब भी हवा की गुणवत्ता का स्तर बेहद खराब है। दिल्ली में अब भी AQI लेवल 400 के पार बना हुआ है। इसके अलावा मेरठ, सोनीपत, गुरुग्राम, गाजियाबाद, नोएडा और मेरठ समेत आसपास के शहरों में भी स्थिति खराब ही है। हालांकि इस बीच मौसम विभाग ने गुड न्यूज दी है और नवंबर के जाते-जाते सर्दी बढ़ सकती है। इसके अलावा हवा भी पूरी तरह से साफ होने की संभावना है। इस तरह दिल्ली में नवंबर के अंत तक गुलाबी सर्दी दस्तक दे देगी। जिसका लोगों को इंतजार है।

दिल्ली में पारा पहली बार इतना लुढ़का, बारिश की भी हो गई भविष्यवाणी

मौसम विभाग का अनुमान है कि दक्षिण भारत के केरल,

तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश में 24 से 27 नवंबर के दौरान अच्छी खासी बारिश होनी है। इसके अलावा महाराष्ट्र, गुजरात, दक्षिणी राजस्थान में 25 से 27 नवंबर तक हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। दक्षिण पश्चिम मध्य प्रदेश में 26 नवंबर को भारी बारिश हो सकती है। हरियाणा, पंजाब, दिल्ली और पश्चिम उत्तर में भी हल्की बारिश होने की उम्मीद है। इन राज्यों में 25 से 27 नवंबर तक बौछार के साथ हल्की बारिश हो सकती है। इसके अलावा हवा की गति में भी इजाफा होगा।

ठंड में होगा इजाफा तो हवा भी होगी साफ, मिलेगी पूरी राहत

मौसम में इस बदलाव से एक तरफ ठंड में इजाफा होगा तो वहीं हवा भी साफ होगी। इस तरह महीने के अंत तक पलूशन से राहत मिल सकती है। बता दें कि बीते कई सालों से दिल्ली में अक्टूबर के मध्य तक पलूशन बढ़ जाता है और फिर नवंबर के आखिरी सप्ताह तक आते-आते कम हो जाता है। मौसम विभाग का कहना है कि दिल्ली-एनसीआर के अलावा पूरे उत्तर भारत में ही नवंबर के आखिरी सप्ताह में ठंड बढ़ने वाली है।

उत्तर भारत के इन राज्यों में होगी अच्छी बारिश

पश्चिमी हिमालयी राज्य कहलाने वाले जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भी 25 से 27 नवंबर के दौरान अच्छी बारिश हो सकती है। इन राज्यों में पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी का दौर भी देखने को मिलेगा। इसके अलावा निचले इलाकों में बारिश होगी। गोवा, कोंकण और महाराष्ट्र में भी इस सप्ताहांत तक अच्छी बारिश की संभावना है।

चीन में फिर से फैल रही नई बीमारी, डब्ल्यूएचओ हुआ सख्त

नई दिल्ली। अभी देश में कोरोना के मामलों में कमी आई ही थी कि एक बार फिर से एक नई महामारी के आने की संभावना WHO ने जताई है। नई बीमारी की शुरूआत अब फिर से चीन से ही हुई है। चीन के बच्चों में सांस की बीमारी फैल रही है। जिसे लेकर WHO ने चेतावनी जारी की है।

WHO का कहना है कि अक्टूबर 2023 के मध्य से, विश्व स्वास्थ्य संगठन चीनी निगरानी प्रणालियों के डेटा की निगरानी कर रहा है जिसमें उत्तरी चीन में बच्चों में सांस की बीमारी में लगातार बढ़ोतरी दिखाई दे रही है। आज WHO ने चीनी स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ एक टेलीकांफ्रेंस आयोजित की जिसमें उन्होंने उत्तरी चीन में बच्चों में सांस की बीमारियों पर अनुरोधित डेटा प्रदान किया है।

डेटा मई से माइकोप्लाज्मा निमोनिया और अक्टूबर से आरएसवी, एडेनोवायरस और इन्फ्लूएंजा वायरस के कारण बाह्य रोगी परामर्श और बच्चों के अस्पताल में प्रवेश में वृद्धि का संकेत दे रहा है।

डब्ल्यूएचओ स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है और चीन में राष्ट्रीय अधिकारियों के साथ निकट संपर्क में है।

पहले भी WHO ने दी थी चेतावनी

उत्तरी चीन में एक अलग तरह की बीमारी देखने को मिल रही है, जो सबसे ज्यादा बच्चों में फैल रही है। WHO की माने तो इन बच्चों में सांस संबंधी और निमोनिया से संबंधित बीमारी का पता चला है। हालांकि, इसके लक्षण निमोनिया से भी अलग है। बच्चों में तेज बुखार, खांसी, सांस लेने में दिक्कत और फ्लू की समस्या देखने को मिल रही है।

WHO ने क्या कहा?

इस बीमारी के सामने आते ही WHO भी एक्टिव हो गया है। स्वास्थ्य एजेंसी ने कहा कि वो इस पर नजर बनाए हुए है। इसी के साथ WHO ने चीन को भी इसकी सख्त निगरानी करने की हिदायत दी है।

WHO ने चीन को इसी के साथ हर जानकारी साझा करने का निर्देश दिया है।

एकनाथ शिंदे सरकार में इस्तीफे तक पहुंची बात, मराठाओं के बाद ओबीसी पर उबाल

मुंबई। महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे सरकार के लिए अब तक मराठा आंदोलन ही टेंशन बना हुआ था, लेकिन अब ओबीसी जातियों की गोलबंदी भी चिंता बढ़ा रही है। यही नहीं ओबीसी बिरादरियों को गोलबंद करने में एकनाथ शिंदे सरकार के ही मंत्री छगन भुजबल जुटे हुए हैं। अजित पवार के साथ सरकार का हिस्सा बने भुजबल ने तो अब बागी तेवर भी अपना लिए हैं। उन्होंने कहा कि यदि मराठा आरक्षण के खिलाफ मेरे स्टैंड के आधार पर इस्तीफा मांगा जाता है तो मैं मंत्री पद छोड़ने के लिए भी तैयार हूं। उन्होंने कहा कि मैं तो विधायकी तक से इस्तीफे के लिए तैयार हूं।

दरअसल छगन भुजबल लगातार इस बात का विरोध कर रहे हैं कि मराठा समाज के लोगों को कुनबी जाति का सर्टिफिकेट दिया जाए, जिसके तहत ओबीसी आरक्षण मिलता है। वह कहते हैं कि इससे ओबीसी वर्गों के अधिकार

● दरअसल छगन भुजबल लगातार इस बात का विरोध कर रहे हैं कि मराठा समाज के लोगों को कुनबी जाति का सर्टिफिकेट दिया जाए, जिसके तहत ओबीसी आरक्षण मिलता है। वह कहते हैं कि इससे ओबीसी वर्गों के अधिकार प्रभावित होंगे।

प्रभावित होंगे। उन्होंने हाल ही में जालना जिले में ओबीसी वर्ग की एक बड़ी रैली भी की थी। उनकी इस मुहिम में कांग्रेस के भी कई नेता साथ हैं। अब उन्होंने इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत में सरकार के खिलाफ जाते हुए इस्तीफे तक की बात कह दी है।

छगन भुजबल ने कहा, मैं इस्तीफा देने के लिए तैयार हूं। यदि मेरे स्टैंड की वजह से कहा जाता है तो फिर विधायकी भी छोड़ दूंगा। मैं अपनी पार्टी के आदेश का पालन करूंगा, जिसमें अजित पवार सुप्रीम हैं। इसके अलाव कैबिनेट में सीएम मेरे बॉस हैं, जबकि भाजपा गठबंधन में सबसे बड़ी पार्टी है। यदि वे मुझसे इस्तीफा देने को कहते हैं तो दे दूंगा। मैंने हमेशा ओबीसी समाज के लिए काम किया है और आगे भी करता रहूंगा। यही नहीं जालना की रैली में तो छगन भुजबल को सीएम बनाने के नारे भी लगे थे।

यह पूछे जाने पर कि सरकार मराठा आंदोलन के आगे झुकती दिख रही है? छगन भुजबल ने कहा कि मैं तो अपनी बाक कहता ही रहूंगा। सरकार और इस मामले की सुनवाई करने वाले जजों को इस मामले में व्यापक दृष्टिकोण रखना चाहिए। मराठा आरक्षण पर बात करते हुए यह ध्यान रखना चाहिए कि ओबीसी समाज से अन्याय न हो सके। गौरतलब है कि मराठा आंदोलनकारी भी लगातार अल्टीमेटम दे रहे हैं। मनोज जारांगे पाटिल ने तो पिछले महीने आंदोलन ही इस शर्त पर खत्म किया था कि यदि 2 जनवरी तक मराठा कोटे पर फैसला नहीं हो सका तो फिर सड़कों पर उतरकर आंदोलन किया जाएगा।

बढ़ेंगी महुआ मोइत्रा की मुश्किलें! दुबई के बाद अब यूएस में भी लॉगिन डिटेल का खुलासा

नई दिल्ली। रिश्वत लेकर संसद में सवाल पूछने के मामले में जांच की आंच झेल चुकीं सांसद महुआ मोइत्रा के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। खबर है कि मोइत्रा का संसद लॉगिन सिर्फ दुबई ही नहीं, बल्कि अमेरिका के एक शहर में भी लॉगिन हुआ था। भारतीय जनता पार्टी सांसद निशिकांत दुबे ने आरोप लगाए थे कि मोइत्रा ने अपने लॉगिन डिटेल्स कारोबारी दर्शन हीरानंदानी के साथ साझा किए थे। मीडिया रिपोर्ट्स में MEITY यानी इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के रिकॉर्ड्स के हवाले से बताया जा रहा है कि मोइत्रा के खाते में न्यू जर्सी और बेंगलुरु से भी लॉगिन हुआ था। कहा जा रहा है जिस दिन ये लॉगिन हुए, उस समय तृणमूल कांग्रेस सांसद मोइत्रा भारत में ही थीं। खास बात है कि मोइत्रा खुद भी स्वीकार कर चुकी हैं कि उन्होंने हीरानंदानी को पासवर्ड दिया था। MEITY के रिकॉर्ड्स के हवाले से बताया जा रहा है कि 29 अक्टूबर 2019 को मोइत्रा के अकाउंट में दुबई से और कुछ ही समय बाद बेंगलुरु से भी लॉगिन हुआ था। 15 जनवरी 2021 को भी दिल्ली स्थित पार्लियामेंट हाउस, कोलकाता, न्यू जर्सी में कई बार लॉगिन किया गया था। हीरानंदानी की तरफ से दाखिल हलफनामे में भी टीएमसी सांसद पर आरोप लगाए गए थे। उनका

कहना था कि मोइत्रा ने सवाल पूछने के बदले में रिश्वत ली थी। हलफनामें में हीरानंदानी ने यह भी दावा किया था कि मोइत्रा ने उन्हें संसद का लॉगिन दिया था, ताकि वह उनके स्थान पर सवाल पूछ सकें। हालांकि, एक चैनल से बातचीत में सांसद का कहना था कि प्रश्न डालने पर फोन पर OTP आता है।

लोकसभा ने दी सलाह-लोकसभा सचिवालय ने सदन में प्रश्नकाल के दौरान सांसदों के प्रश्नों को लेकर सरकार की तरफ से दिए गए उत्तरों की गोपनीयता बनाए रखने पर जोर दिया है और उनसे कहा है कि वे अपने पोर्टल का उपयोग केवल खुद के लिए करें। लोकसभा सचिवालय ने सांसदों को सूचित किया कि किसी प्रश्न के दिए गए उत्तर की सामग्री तब तक पूरी तरह से गोपनीय होती है जब तक कि सदन में मौखिक उत्तर के लिए प्रश्न पूछा और उत्तर नहीं दिया जाता है। उसका कहना है कि यदि कोई प्रश्न मौखिक उत्तर के लिए नहीं आ सकता है, तो प्रश्नकाल के समापन तक प्रश्न का उत्तर जारी नहीं किया जाना चाहिए। इसमें कहा गया है, लिखित उत्तरों की सूची में शामिल प्रश्नों को भी तब तक गोपनीय माना जाएगा जब तक कि उन्हें प्रश्नकाल समाप्त होने के बाद सदन के पटल पर रख नहीं दिया जाता है।

कलेक्टर ने ठाठीपुर एनआरसी केन्द्र का किया निरीक्षण

ग्वालियर । कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने शनिवार को ठाठीपुर अस्पताल में संचालित एनआरसी केन्द्र पर अवलोकन किया और केन्द्र में भर्ती बच्चों के अभिभावकों से चर्चा की। उन्होंने केन्द्र की व्यवस्थाओं के संबंध में भी निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सीएमएचओ डॉ. आर नजरिया, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. आर. के. गुप्ता, डीएचओ-1 डॉ. प्रबल प्रताप सिंह, एनआरसी प्रभारी डॉ. सचिन श्रीवास्तव, डीपीएम विजय भार्गव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर सिंह ने कहा कि केन्द्र में पर्याप्त बैड उपलब्ध होने के बाद भी पूरी क्षमता के साथ केन्द्र नहीं चल रहा है। इसके लिये केन्द्र में उपलब्ध सुविधाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र में किया जाए ताकि पीि?त लोग अपने बच्चों का

उपचार केन्द्र में लाकर करा सकें। उन्होंने केन्द्र की व्यवस्थाओं के संबंध में भी विस्तार से निरीक्षण किया। कलेक्टरने केन्द्र में अपने बच्चे के उपचार के लिये आई एक माता से विस्तार से चर्चा की। इसके साथ ही बच्चे को भी गोद में उठाकर खिलाया। उन्होंने महिला से पूछा कि लोग केन्द्र में क्यों नहीं आते हैं तो महिला का कहना था कि कभी जानकारी के अभाव में तथा कभी-कभी घर-परिवार की सहमति न होने के कारण नहीं आ पाते हैं। बच्चे के उपचार के संबंध में जब पूछा गया तो महिला ने बताया कि तीन दिन में ही उसके बच्चे का वजन बढ़ा है। इसके साथ ही केन्द्र की व्यवस्थायें भी अच्छी हैं।

कलेक्टर सिंह ने केन्द्र में बच्चों और उनके अभिभावकों को उपलब्ध कराए जा रहे भोजन की गुणवत्ता को देखा तथा केन्द्र में तैयार भोजन का स्वाद लेकर भी उसकी गुणवत्ता को चखा। उन्होंने अधिकारियों से कहा है कि केन्द्र में बच्चों और उनके अभिभावकों को अच्छा और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाए, इसके लिये शासन स्तर से पर्याप्त धनराशि उपलब्ध होती है। इसमें किसी भी प्रकार की कमी न रखी जाए।

महंत रामेश्वरदास जी की पुण्यतिथि पर हुआ सांगीतिक सुंदरकाण्ड का पारायण

ग्वालियर। शहर के प्राचीन ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थल सिद्धपीठ श्री गंगादास जी की बड़ी शाला के सत्रहवें महंत श्री रामेश्वरदास जी महाराज की पुण्यतिथि पर शनिवार को संगीतमयी सुंदरकांड का पारायण

किया गया। रामायण प्रेमी श्री शरद भारद्वाज ने बताया है कि सिद्धपीठ श्री गंगादास जी की बड़ी शाला के सत्रहवें पीठाधीश्वर श्री महंत परमपूज्य रामेश्वरदास जी महाराज पुण्यात्मा थे। उन्होंने गंगादास जी की शाला और भदावना धाम सहित अनेक धार्मिक स्थलों का जीर्णोद्धार कराया। आज उनकी पुण्यतिथि पर सिद्धपीठ श्रीगंगादास जी की बड़ी शाला में सुंदरकाण्ड का सांगीतिक पारायण किया गया। इसके लिए आगरा, बरेली, कानपुर और ग्वालियर के कलाकारों ने सुंदरकांड का पारायण किया। शाला के वर्तमान पीठाधीश्वर स्वामी रामसेवकदास जी के सानिध्य में हुए इस आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

प्रपंचों से मुक्त करा देती है महामाया की उपासना: मां कनकेश्वरी

महलगांव करौलीमाता मंदिर में श्रीमद्देवी कथा का विश्राम

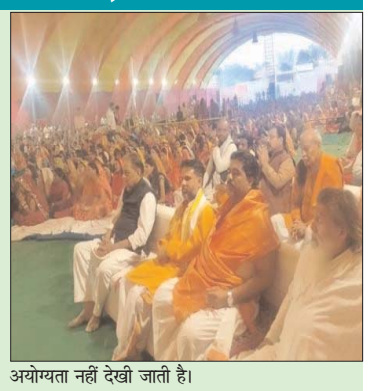

ग्वालियर। मनुष्य स्वयं के प्रपंचों में फंसा हुआ है, लेकिन यदि वह महामाया की उपासना करता है तो वह उसे प्रपंचों से मुक्त कर देती है,लेकिन मां की आराधना करने के लिए व्यक्ति का सदाचारी होना जरूरी है। यह विचार अग्नि अखा? की महामंडलेश्वर मां कनकेश्वरी ने महलगांव करौलीमाता मंदिर एवं कुंवर महाराज मंदिर प्रांगण में आयोजित श्रीमद्देवी कथा के विश्राम दिवस शनिवार को व्यक्त किए। इस अवसर पर खनेताधाम के महामंडलेश्वरी रामभूषण दास महाराज एवं धूमेश्वर धाम के अनिरु द्धवन महाराज का महामंडेश्वर कपिल मुनि महाराज ने स्वागत सम्मान किया। रविवार को हवन पूजन और नवकुंडीय यज्ञ की पूर्णाहुति और भंडारे के साथ 11 दिवसीय अनुष्ठान का समापन होगा। देवी कनकेश्वरी ने देवी कथा का रसपान कराते हुए कहा कि ईश्वर को समझते समझते यदि हमने परमात्मा को निकटता से देख लिया, तो उसे हमने मां कहा। भगवान द्वारिकाधीश हों या श्रीनाथ भगवान, उनका श्रृंगार नाक के आभूषण से आरंभ होता है,क्योंकि वो स्वभाव से मां है। पूतना जैसी राक्षस भी जब परमात्मा के निकट पहुंच गई तो उन्होंने उसके पापों से दृष्टि फेरकर उसे अपना परमधाम प्रदान किया, इसलिए परम ब्रह्म की आराधना के साथ संसार की सेवा करते रहें। उन्होंने कहा कि दुनिया में सिर्फ भारत भूमि ही ऐसी जगह है, जहां जप, तप, कथा यज्ञ से अपने साथ अपने पूर्वजों की भी सद्गति करा सकते हैं। यह सुख सुविधा तो स्वर्ग में भी उपलब्ध नहीं हैं। सूर्य की आराधना करो। सूर्य के प्रकाश से सारी विद्या प्रकाशित हो जाती हैं। जो श्रीकृष्ण के पास जाने का प्रयास करते हैं, उन पर राधारानी का भी अनुगृह होता है। सिद्ध साधु कभी क्रोध नहीं करता है, वह तभी सिद्ध होता है,लेकिन जब वह क्रोध करता है तो वह क्रोध नहीं उसका अनुगृह होता है। गुरू चरण और गुरू वचन साधक की आध्यात्मिक उन्नति का आधार है। चित्त जितना विशुद्ध होता है, तो चेतना उसी गति से उन्नति करती है।तुलसी की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि सालिगराम ने तुलसी को वरदान दिया कि तुलसी के बगैर नारायण की पूजा नहीं होगी। स्वयं नारायण ने तुलसी स्त्रोत का पाठ किया है। धर्म-कर्म के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि अपनी मर्जी से वासना मुक्त रहने का प्रयास कर्म हैं और वेदों के अनुसार जीवन निर्वहन करना धर्म हैं। अपनी मर्जी से करोगे तो बंधन और सदुरू की मर्जी से करोगे मुक्त हो जाएगी। उन्होंने कहा कि प्यासे को पानी और भूखे को भोजन कराने में योग्यता और अयोग्यता नहीं देखी जाती है।

रुद्राक्ष पहन गलत काम न करें.-उन्होंने कहा कि जल्दी आगे निकलने की वृत्त खतरनाक है। इसमें व्यक्ति छल प्रपंच, धोखाधड़ी का सहारा लेता है। उन्होंने कहा कि आजकल लोग इस असमंजस में रहते हैं कि हम जो रुद्राक्ष धारण कर रहे हैं, वो असली है या नकली। रुद्राक्ष असली हो या न हो,लेकिन पहनने वाला असली होना चाहिए। असली रुद्राक्ष पहनकर यदि गलत काम करेंगे तो क्या भोलेबाबा की कृपा हो सकती है? गुरूमुखी होकर जो गलत काम करता है, उसकी दुगर्ति होने से कोई नहीं बचा सकता है।

खुद का महिमा मंडन नहीं करते संत-गायत्री की महिमा बताते हुए उन्होंने कहा कि स्वयं नारायण ने गायत्री के सहस्त्रनाम का पाठ किया। उन्होंने कहा कि संत और विद्वानों में भेद है। संत कभी खुद को सर्वश्रेष्ठ नहीं कहते,बल्कि अन्य संतों का गुणगान करते हैं, लेकिन विद्वान सदैव खुद को महिमामंडित करने में लगे रहते हैं। कथा तो ग्रंथों में भी मिल जाएगी,लेकिन जीवन सीखना है तो संतों की शरण में जाना प?गा। परमात्मा को भजो तो प्रकृति आपकी रक्षा करेगी, जिसने अपनी प्रकृति को ठीक नहीं किया तो घर में भी उसका सम्मान नहीं होता है।

गुरूकृपा से सिद्ध हो जाती है शिष्य की वाणी-इस मौके पर खनेता धाम से आए महामंडलेश्वर रामभूषण महाराज ने कहा कि मां कनकेश्वरी स्वयं शक्ति स्वरूपा हैं, जिनके मुख से ग्वालियर के श्रद्धालुओं को मां शक्ति का कथा श्रवण का सौभाग्य मिला।इनके दर्शन मात्र से पाप नष्ट हो जाते हैं। इनकी वाणी से अंतकरण पवित्र हो जाता है। गुरूकृपा से जब कोई शिष्य बोलता है तो साक्षात ठाकुरजी की वाणी उसमें से प्रस्फुटित होती है।

दो महामंडेश्वर ऐसे हो गए समधी-धूमेश्वरधाम के महामंडलेश्वर अनिरुद्धवन महाराज ने कनकेश्वरी देवी का एक संस्मरण सुनाते हुए कहा कि जब वे एक बार धूमेश्वर आईं तो हमने पूछा क्या सत्कार करें। तो उन्होंने विनोद में कहा चाय चालक, कॉफी कपटी और दूध देवता पीते हैं तो हम तो दूध ही पीएंगे। उन्होंने कहा कि ब्रह्मरस वही पिला सकता है जो उसमें डूबा हुआ हो। यहां तो शक्ति की कथा स्वयं शक्ति ने ही सुनाई है। खनेता महाराज से समधी का अनोखा रिश्ता बताते हुए कहा कि धूमेश्वर में तुलसी विवाह के दौरान रामभूषणदास महाराज सालिगराम की बारात लेकर आए थे, इसलिए वह हमारे समधी हुए।

रागायन की सभा में खिले श्रद्धा और समर्पण के सुर- सुजल जैन के गायन, अंकुर धारकर के वायलिन वादन और गीतिका उमड़ेकर मसूरकर के गायन ने रसिकों को किया मुग्ध

ग्वालियर। शहर की प्रतिष्ठित संस्था रागायन के स्थापना दिवस पर शनिवार को सिद्धपीठ श्री गंगादास जी की बड़ी शाला में आयोजित विशिष्ट संगीत सभा में सुर साज के अनूठे और अदभुत फुल खिले। इन स्वरों में जहां श्रद्धा का भाव था तो वहीं गुरुजनों के प्रति समर्पण भी। युवा गायक सुजल जैन से लेकर जाने माने वायलिन वादक अंकुर धारकर और सुश्री गीतिका उमड़ेकर मसूरकर सभी ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दीं।रागायन के अध्यक्ष एवं सिद्धपीठ श्री गंगादास जी की बड़ी शाला के श्री महंत पूरण वैराठी पीठाधीश्वर स्वामी रामसेवकदास जी महाराज के सानिध्य में आयोजित इस सुर सभा का आगाज मुरैना से आए पंडित सुभाष देशपांडे के शिष्य युवा गायक सुजल जैन के खयाल गायन से हुआ। सुजल ने राग पूरिया धनाश्री में अपना गायन पेश किया। इस राग में उन्होंने दो बंदिशें पेश कीं। एकताल में विलंबित बंदिश के बोल थे -÷ लागी मोरी लगन ÷ जबकि तीनताल में द्रुत बंदिश के बोल थे - ÷ बीत गए जुगवा । इन दोनों ही बंदिशों को सुजल ने बड़े जोशीले अंदाज में गाया। रागदारी की बारीकियों से परिपूर्ण उनका गायन श्रवणीय था। गायन का समापन उन्होंने राग पहाड़ी पर आधारित दादरा ÷तोरी तिरछी नजरिया÷ से बड़े ही रंजक अंदाज में किया। इस प्रस्तुति में हारमोनियम पर नवनीत कौशल ने एवं तबले पर शाहरुख खान ने बेहतरीन संगत का प्रदर्शन किया। सभा के दूसरे कलाकार थे शहर के जाने माने वायलिन वादक अंकुर धारकर। अंकुर जी ने अपने सुमधुर वायलिन वादन से रसिकों को मुग्ध कर दिया। उन्होंने राग यमन में अपना वादन पेश किया। विलंबित रचना एक ताल और मध्य लय की रचना तीनताल में निबद्ध थी। दोनों ही रचनाओं को बजाने में अंकुर जी ने अपने कौशल का बखूबी परिचय दिया। गायकी अंग पर

आधारित उनका वादन माधुर्य से परिपूर्ण था। उसके साथ डॉ विनय विंदे ने तबले पर उतनी ही माधुर्यपूर्ण संगत का प्रदर्शन किया। सभा का समापन ग्वालियर घराने की युवा गायिका सुश्री गीतिका उमड़ेकर मसूरकर के सुमधुर खयाल गायन से हुआ। गीतिका ग्वालियर घराने के वरिष्ठ संगीत साधक पंडित बालाभाऊ उमडेकर कुंडलगुरु की नातिन और वरिष्ठ सितार वादक पंडित श्रीराम उमड़ेकर की सुपुत्री हैं। उन्होंने राग वागेश्री में अपना गायन पेश किया। इस राग में उन्होंने तीन बंदिशें पेश की। एकताल में निबद्ध विलंबित बंदिश के बोल थे -÷ सखी मन लागे ना ÷ जबकि तीनताल में मध्य लय की बंदिश के बोल थे - ÷जो हमने तुमसे बात कही÷। गायन को आगे बढ़ाते हुए इसी राग में एकताल में द्रुत बंदिश भी पेश की, जिसके बोल थे -कवन देस जाए ÷। इन तीनों बंदिशों को गीतिका जी ने बड़े सलीके से पेश किया। राग के विस्तार में एक एक सुर को लगाने का उनका अंदाज अनूठा है। सुर खिल उठते हैं। इसी तरह तानों की अदायगी भी मिठास भरी थी। गायन का समापन उन्होंने काफी में टप्पे और त्रिवट से किया। आपके साथ तबले पर मनीष करवड़े और हारमोनियम पर नवनीत कौशल ने मिठास भरी संगत का प्रदर्शन किया।

मेला व्यापारी संघ ने मेला सचिव को ज्ञापन भेंट कर बताईं समस्याएं

मेला की आयोजन तिथि अविलम्ब घोषित कर मेला परिसर में सफाई, सीवर, रोड, बिजली व्यवस्था दुरूस्त की जाए

ग्वालियर। श्रीमन्त माधवराव सिंधिया ग्वालियर व्यापार मेला व्यापारी संघ के प्रतिनिधिमण्डल ने आज अध्यक्ष महेंद्र भदकारिया एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष व प्रवक्ता अनिल पुनियानी के नेतृत्व में मेला सचिव को संभागीय आयुक्त, ग्वालियर संभाग के नाम ज्ञापन भेंटकर श्रीमन्त माधवराव सिंधिया ग्वालियर व्यापार मेला की आयोजन तिथि अविलम्ब घोषित कर मेला परिसर में सफाई, सीवर, रोड, बिजली व्यवस्था दुरूस्त करने एवं मेले की आर्थिक स्थिति को देखते हुए अघोसंरचना एवम विकास कार्य के लिए 10 करोड़ की आर्थिक सहायता प्रदान किए जाने एवम शिल्प बाजार की व्यवस्था मेले द्वारा संभाले जाने जाने बावत ज्ञापन पत्र भेंट किया। ज्ञापन पत्र में कहा गया है कि ग्वालियर व्यापार मेला में 25 दिसंबर से मेला शुरू होने की सुगबुगाहाट शुरू हो गई है, झूला सेक्टर में झूला संचालकों ने अपना सामान भी पहुंचाना शुरू कर दिया है। सभी मेला व्यापारी भी शीघ्र से शीघ्र अपनी दुकानें व शोरूम लगाने के लिए तैयार है। सभी मेला व्यापारियों को प्रतीक्षा सिर्फ मेला प्राधिकरण की हरी झंडी मिलने की है। हालांकि मेला प्राधिकरण से तय तारीख पर ही मेला शुरू कराने का आश्वासन मिला है। चूंकि

अब चुनाव भी करीब करीब सम्पन्न हो ही चुके हैं, लिहाजा अब तैयारियां तेज गति से प्रारंभ कर दी जानी चाहिए। इस वर्ष के मेले की आयोजन अवधि भी तत्काल घोषित की जाए ताकि व्यापारियों को सुविधा रहे। ज्ञापन पत्र में मेला व्यापारी संघ ने यह भी आग्रह किया कि मेला प्राधिकरण द्वारा बिजली-पानी और सफाई व्यवस्था को दुरूस्त कराने तत्काल ही कार्य प्रारंभ किया जाए ताकि तय समय से मेला लग सके एवं शहर के एवं बाहर से आने वाले व्यापारी बंधुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। झूला सेक्टर में सामान की आवक शुरू हो गई है। व्यापारी मेले में आने को तैयार है इसलिए प्राधिकरण को तय तारीख से मेला शुरू करने के लिए प्लान तैयार कर तैयारियां शुरू कर देना चाहिए क्योंकि सीवर, रोड, बिजली दुरूस्त करने में समय लगेगा। मेला व्यापारी संघ ने यह भी पुरजोर आग्रह किया कि मेला में शिल्प बाजार में प्रवेश के लिए खोला गया बाहर का गेट प्राधिकरण को बंद कर मेला परिसर के भीतर से ही शिल्प बाजार में प्रवेश द्वार होना चाहिए। पहले इस तरह की व्यवस्था थी, शिल्प बाजार का प्रवेश द्वार भीतर से होने का लाभ सभी मेला व्यापारियों को होता था क्योंकि शिल्प बाजार आने वाले सैलानी अन्य सेक्टरों में भी खरीदारी करते थे अब बाहर के गेट से ही निकल जाते हैं। इसके साथ ही पार्किंग की व्यवस्था गार्डन में की जाए। शिल्प बाजार को केंद्र सरकार के हस्तशिल्प विकास आयुक्त कार्यालय की पर्सनल प्रोपर्टी बनने से रोका जाए, इसे मेला प्राधिकरण के ही नियंत्रण में रखा जाए। 25 दिसंबर से मेला शुरू करने की योजना है इसलिए बिजली, सफाई, सीवर व्यवस्था सहित कई काम अभी ही पूरे हो जाने चाहिए। टेंडर भी तत्काल निकाले जाएं। ज्ञापन भेंट करते समय सभी मेला व्यापारीगण ने कहा कि एक ओर वे ग्वालियर मेला परिसर को साफ स्वच्छ बनाए रखने के लिए प्रयासरत हैं वहीं ग्वालियर नगर निगम ने यहाँ कचरा डम्प सेंटर बना रखा है। यहाँ शहर भर से कचरा बटोर कर लाने वाले डम्पर गन्दगी फैला रहे हैं। इससे पहले कोरोना काल में मंडी बोर्ड ने मेला के सेक्टरों में ही मंडी लगा ली थी। इस अस्थायी मंडी में ट्रक - डंफरों की आवाजाही से यहाँ सड़कों में गहरे गड्ढे हो गए एवं दुकानों में भी टूटफूट हुई। जिसकी क्षतिपूर्ति अभी तक मेला प्राधिकरण को मंडी बोर्ड से प्राप्त नहीं हुई है। मेला व्यापारी सन्घ के अध्यक्ष महेंद्र भदकारिया एवं अन्य मेला पदाधिकारियों ने यह भी अनुरोध किया कि ग्वालियर मेला की अधोसंरचना एवं आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए कम से कम दस करोड़ का आर्थिक पैकेज तत्काल प्रभाव से स्वीकृत कर ग्वालियर व्यापार मेला को आर्थिक मजबूती प्रदान की जाए

खाद वितरण व्यवस्था पर रखी जाए निगरानी, अनियमितता पाए जाने पर होगी कठोर कार्रवाई

ग्वालियर । जिले में पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध है। किसानों को बिना असुविधा के खाद मिले, यह हमारी प्राथमिकता है। कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने शनिवार को ग्वालियर एवं डबरा क्षेत्र में निजी एवं शासकीय खाद वितरण केन्द्रों का निरीक्षण करते हुए यह बात कही। वितरण व्यवस्था पर निरंतर निगरानी रखने और निजी व शासकीय केन्द्रों पर कृषि एवं कॉपरेटिव विभाग के अधिकारियों को भौतिक सत्यापन करने के निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व डबरा मुनीष सिकरवार सहित कॉपरेटिव एवं कृषि विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर सिंह ने स्पष्ट किया है कि जिले में 100 फुटकर केन्द्रों, 50 थोक विक्रेता तथा 75 सोसायटियों के साथ ही 6 डबल लॉक कैमरों के माध्यम से किसानों को खाद उपलब्ध कराया जा रहा है। जिले में किसानों के लिये पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध है। इसके वितरण व्यवस्था पर निरंतर निगरानी रखने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए गए हैं। उन्होंने

यह भी स्पष्ट किया है कि खाद वितरण व्यवस्था में अनियमितता पाए जाने पर किसी को बख्शा नहीं जायेगा। कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने आंतरी, डबरा के आस-पास स्थापित केन्द्रों का निरीक्षण किया और खाद वितरण व्यवस्था के संबंध में उपस्थित दस्तावेजों को भी देखा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि किसानों को खाद लेने में किसी प्रकार की परेशानी न हो, यह सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही अगर आवश्यकता प?ती है तो डबल लॉक केन्द्र पर भी फुटकर दुकानदारों को केन्द्र बनाकर किसानों को खाद उपलब्ध कराई जाए। कलेक्टर सिंह ने निरीक्षण के दौरान उपार्जन केन्द्रों का भी अवलोकन किया तथा केन्द्र में जो आवश्यक व्यवस्थायें हैं उसे समय रहते पूर्ण करने के निर्देश दिए। उपार्जन के समय भी किसी प्रकार की अनियमितता न हो, यह सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए हैं।

खाद वितरण में अनियमितता पर भितरवार में एफआईआर दर्ज - कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह के निर्देश पर जिले में खाद वितरण पर निगरानी रखी जा रही है। भितरवार क्षेत्र में खाद वितरण की शिकायत प्राप्त होने पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व भितरवार द्वारा गठित टीम के द्वारा जाँच की गई। जाँच में मैसर्स अग्रवाल ट्रेडर्स कंपनी वार्ड क्र.-5 भितरवार की दुकान में खाद वितरण में की जा रही अनियमितता परिलक्षित हुई, जिसके कारण दुकान तत्काल प्रभाव से सील कर दी गई। जाँच के उपरांत मैसर्स अग्रवाल ट्रेडर्स कंपनी वार्ड क्र.-5 द्वारा खाद वितरण में की गई अनियमितता के संबंध में फरियादी देवेन्द्र सिंह राजपूत, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, उर्वरक निरीक्षक द्वारा पुलिस थाना भितरवार में फर्म के प्रोपराइटर अरविंद अग्रवाल पुत्र रामजीदास अग्रवाल पर आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा-3, 7, 8 तथा 9 के तहत प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करा दी गई है। सूचना रिपोर्ट में प्रोपराइटर पर खाद वितरण में निर्धारित शुल्क से अधिक शुल्क किसानों से प्राप्त किए जाने तथा दूसरे जिले के किसानों को खाद वितरण किए जाने की शिकायत है। कलेक्टर सिंह ने जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को भी निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने क्षेत्र में विभागीय अधिकारियों के माध्यम से निजी एवं शासकीय खाद वितरण केन्द्रों का निरीक्षण कराएँ।

निजी वाहनों पर मध्यप्रदेश शासन अथवा शासकीय वाहन लिखा पाए जाने पर होगी कार्रवाई: कलेक्टर

ग्वालियर। जिले में निजी वाहनों पर मध्यप्रदेश शासन अथवा शासकीय वाहन अंकित कराने वालों के विरूद्ध की जायेगी कार्रवाई । कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने कहा है कि यह देखने में आया है कि कुछ निजी वाहनों पर शासकीय अथवा मध्यप्रदेश शासन

अंकित है। ऐसे वाहन पूर्व में किसी विभाग में अनुबंधित रहे होंगे, लेकिन वर्तमान में कहीं पर भी अनुबंधित नहीं हैं और वाहनों पर शासकीय अंकित है। कलेक्टर सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि ऐसे वाहन मालिक जिनके वाहन किसी शासकीय कार्यालय से अनुबंधित नहीं हैं, उनके वाहन पर पूर्व से ही शासकीय अथवा मध्यप्रदेश शासन अंकित है तो वे तत्काल उसे हटाएँ। पुलिस विभाग द्वारा चलाए जा रहे अभियान के दौरान अगर कोई वाहन ऐसा पाया जाता है जो विभाग में अनुबंधित नहीं है और उस पर शासकीय अथवा मध्यप्रदेश शासन लिखा है तो वाहन मालिक के विरूद्ध दण्डात्मक कार्रवाई की जायेगी।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478